भीम प्रज्ञा अलर्ट

'रिश्तों की असली पहचान सुविधा से नहीं, जिम्मेदारी से होती है; जो अपने कर्तव्यों से नहीं भागता, वही जीवन में सच्चा इंसान कहलाता है। '

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-142 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 16 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'पेंशन का हक या संवेदना का संकट? – बुजुर्गों के सम्मान पर खड़ा बड़ा सवाल '

राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, बुजुर्गों के सम्मानजनक जीवन की एक महत्वपूर्ण आधारशिला मानी जाती हैं। इन योजनाओं का मूल उद्देश्य यही है कि जीवन के अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुके वृद्धजनों को आर्थिक संबल मिल सके, जिससे वे आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सकें। लेकिन क्या वास्तव में यह उद्देश्य पूर्ण हो पा रहा है? या फिर नियमों की जटिलता और सामाजिक संवेदनहीनता के कारण कई बुजुर्ग इस अधिकार से वंचित हो रहे हैं? यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज यह एक कड़वा सत्य बन चुका है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन की पात्रता तय करने में 'परिवार में सरकारी नौकरी' जैसी शर्तें, उन बुजुर्गों के लिए अभिशाप बनती जा रही हैं, जिनकी संतानें भले ही नौकरी में हों, लेकिन वे अपने माता-पिता के साथ नहीं रहतीं, न ही उनके जीवन की जिम्मेदारी निभाती हैं। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि एक ओर सरकार बुजुर्गों के लिए पेंशन की गारंटी देती है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं के अपने बच्चे–जो सरकारी या अर्धसरकारी नौकरी में हैं–उनके इस अधिकार के रास्ते में बाधा बन जाते हैं। ग्रामीण भारत की एक सच्चाई यह भी है कि कई युवा रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन कर चुके हैं। वे शहरों में अपने परिवार के साथ सुख-सुविधाओं से भरा जीवन जी रहे हैं, लेकिन उनके बुजुर्ग माता-पिता गांव में ही रहकर संघर्षपूर्ण जीवन जीने को मजबूर हैं। खेत-खलिहान, पशुधन और सीमित संसाधनों के बीच जीवन यापन कर रहे ये बुजुर्ग, न तो अपने बच्चों से कुछ मांगते हैं और न ही अपनी पीड़ा को खुलकर व्यक्त कर पाते हैं। ऐसे में यदि उनकी सामाजिक सुरक्षा पेंशन भी इस आधार पर रोक दी जाए कि 'उनके बेटे या बेटी नौकरी में हैं ', तो यह न केवल एक प्रशासनिक त्रुटि है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं पर भी गहरा आघात है।

इस समस्या का सबसे दर्दनाक पहलू तब सामने आता है, जब कुछ मामलों में स्वयं संतानें ही अपनी नौकरी या वेतन पर संभावित 'रिकवरी' के डर से अपने माता-पिता की पेंशन रुकवा देती हैं। यह केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि रिश्तों की बुनियाद को कमजोर करने वाला कदम है। हमें यह समझना होगा कि बुजुर्गों की पेंशन कोई 'खैरात' नहीं, बल्कि उनका अधिकार है–उनके जीवनभर के श्रम, त्याग और संघर्ष का एक छोटा सा सम्मान। जिन माता-पिता ने अपने बच्चों को पाल-पोसकर इस मुकाम तक पहुंचाया, क्या उनके बुढ़ापे में उनसे इतना भी हक छीन लिया जाना चाहिए? यहां समाज के पढ़े-लिखे और जागरूक वर्ग की भूमिका भी कटघरे में खड़ी होती है। यदि शिक्षित और सक्षम लोग ही अपने माता-पिता के अधिकारों के प्रति संवेदनशील नहीं हैं, तो समाज में नैतिक मूल्यों की रक्षा कौन करेगा? यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे। पेंशन की पात्रता तय करते समय केवल 'परिवार में सरकारी नौकरी' को आधार बनाना, वास्तविक स्थिति की अनदेखी करना है। यदि कोई बुजुर्ग अपने बच्चों से अलग रह रहा है, उनके राशन कार्ड में शामिल नहीं है, और अपनी आजीविका स्वयं या सीमित साधनों से चला रहा है, तो उसे पेंशन से वंचित करना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

समाधान केवल नीति में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक चेतना के जागरण में भी निहित है। आज आवश्यकता है कि एक जन-जागरण अभियान चलाया जाए–जिसमें यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया जाए कि यदि किसी कारणवश बुजुर्ग की पेंशन उनके बच्चों के खाते में आ रही है, तो वह राशि तत्काल उन्हें सौंपना एक नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। बुजुर्गों के हाथ में जब वह छोटी सी राशि आती है, तो वह केवल पैसे नहीं होते–वह उनका आत्मसम्मान, उनका आत्मविश्वास और उनकी स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। वे उस धन से अपनी छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करते हैं, अपने पोते-पोतियों को सगुन देते हैं और अपने अस्तित्व को सार्थक महसूस करते हैं।

अंततः, यह केवल पेंशन का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की आत्मा का प्रश्न है। यदि हम अपने ही माता-पिता के अधिकारों की रक्षा नहीं कर सकते, तो हम किसी भी सामाजिक न्याय की बात करने का नैतिक अधिकार खो देते हैं। आज जरूरत है–नीति में सुधार की, सोच में बदलाव की और संवेदना के पुनर्जागरण की। ताकि कोई भी बुजुर्ग अपने ही जीवन के संध्या काल में यह महसूस न करे कि वह अपने ही घर में उपेक्षित और अधिकारविहीन हो चुका है। यही सच्चे अर्थों में एक संवेदनशील और न्यायपूर्ण समाज की पहचान होगी।

नशा तस्करों की प्रॉपर्टी जब्त होगी:आईजी राहुल प्रकाश

विदेशों में बैठे अपराधियों को भारत लाएंगे

सीकर को 3 महीने में करेंगे नशामुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर। सीकर में पुलिस आईजी राहुल प्रकाश ने कहा- मादक पदार्थों के स्मगलर्स और सप्लायर्स की प्रॉपर्टी सील की जाएगी। विदेशों में बैठकर धमकी देने वाले और क्राइम करने वाले क्रिमिनल्स के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करके उन्हें यहां लाया जाएगा। उन्होंने कहा- 2-3 महीने में सीकर को नशामुक्त कर दिया जाएगा। जयपुर रेंज के आईजी राहुल प्रकाश ने कहा- प्रदेश के अलग-अलग कोर्ट, अस्पताल, पासपोर्ट ऑफिस और कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकियां अब तक बेबुनियाद निकली हैं। आमजन को? इससे डरने की जरूरत नहीं है। जयपुर रेंज IG राहुल प्रकाश ने बुधवार को सीकर पुलिस लाइन में जिले के पुलिस अधिकारियों की क्राइम मीटिंग ली। बैठक में जिला पुलिस की वर्किंग, क्रीमिनल मामलों, आर्म्स एक्ट की कार्रवाई, अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम, यातायात व्यवस्था और ब्लैक स्पॉट पर चर्चा की गई। क्राइम मीटिंग में SP प्रवीण नायक नूनावत, ASP तेजपाल सिंह सहित जिलेभर के पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

विदेश में बैठे बदमाशों के स्थानीय सोर्स तोड़ेंगे

विदेश में बैठकर बदमाशों के व्यापारियों व उद्योगपतियों को धमकियां देने को? लेकर आईजी राहुल प्रकाश ने कहा- विदेश में बैठकर जो लोग धमकी दे रहे हैं, उनके स्थानीय सोर्स को तोड़ने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। विदेश में बैठे बदमाशों को स्थानीय स्तर पर सूचना देने वाले, रेकी करने वाले या उनके कहने पर फायरिंग करने वाले लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। विदेश में छिपे हुए बदमाशों के खिलाफ भी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के जरिए लुकआउट नोटिस जारी करने की कार्रवाई जा रही है और बहुत ही जल्द उन अपराधियों को गिरफ्तार कर भारत लाएंगे।

मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियानों की ली रिपोर्ट

आईजी राहुल प्रकाश ने बताया- सीकर जिले की क्राइम मीटिंग में आर्म्स एक्ट के मुकदमों व आबकारी के मुकदमों में आई कमी को? लेकर फीडबैक लिया। वहीं मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान की प्रोग्रेस रिपोर्ट ली। जिले में मुकदमों की पेंडेंसी, ट्रैफिक मैनेजमेंट और ब्लैक स्पॉट्स, नए कानून संसोधनों आदि पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा- पुलिसिंग के हिसाब से सीकर पुलिस की कई मामलों में पूरे प्रदेश में अच्छी रैंक है, लेकिन अब भी सुधार की गुंजाइश है। इसे लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, भविष्य में इसके अच्छे रिजल्ट्स आएंगे।

रेंज स्तर पर स्पेशल ऑपरेशन एंटी वेनम चल रहा

एजुकेशन सिटी सीकर में बढ़ती नशे को लेकर आईजी प्रकाश ने कहा- पूरे प्रदेश में रेंज स्तर पर स्पेशल ऑपरेशन एंटी वेनम चलाया जा रहा है। नशे के सप्लायर्स को पकड़ने और कार्रवाई करने का काम किया जाएगा। नशे के डीलर्स, स्मगलर्स और सप्लायर्स की प्रॉपर्टी जब्त की जाएगी। हमारा लक्ष्य है कि पूरे सीकर जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। पूरे जिले में कहीं भी अवैध मादक पदार्थ नहीं बिके।

सरकारी भवन और विधानसभा तक को बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर आईजी राहुल प्रकाश ने कहा- ऐसे मामलों में SOP तय की गई है, जब धमकी आती है तो पूरी चेकिंग की जाती है। बदमाश इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी की नई तकनीक का उपयोग का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें यह नहीं पता चलता कि यह ईमेल कहां से भेजा जा रहा है और कौन इसे भेज रहा है? फिलहाल यह पता लगाने में थोड़ी तकनीकी समस्या है, लेकिन उस पर भी अब लगातार काम चल रहा है। आने वाले दिनों में इसका भी खुलासा हो सकेगा। ड्डल राहुल प्रकाश ने अपील की है कि आमजन को ऐसी धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है।

लोहिया स्कूल में विदाउट फायर कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

लोहिया शिक्षण संस्थान में वैशाखी पर्व पर ' विदाउट फायर कुकिंग' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में विद्यालय प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे की प्रेरणा से नन्हे- नन्हे सैफ ने कुकिंग गैस के संकट काल में बिना ईंधन के स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर सबका मन मुग्ध कर दिया । विद्यार्थियों ने बिना आग के विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर अपनी रचनात्मकता और पाक-कला का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने कई आकर्षक व्यंजन तैयार किये। विशेष आकर्षण का केंद्र रहा भव्य की तिरंगे के आकार में सज्जित फ्रूट चाट, इनाया की फ्रूट समूदी विद चिया सीड्स व गोंद कतीरा भाग्या, शिक्षा ने चिप्स कुरकुरे चाट, सोनू, दिव्यांशी ने चॉकलेट रोल, नरवी ,तेजल स्पेशल कोल्ड कॉफी ,नीतीशा और स्नेहा ने केक, हिमांशी और निधि ने ब्रेड केक मानवी ने लेमन जूस, लविश और नमन ने कुरकुरे चाट, सुशील रक्षित ने ऑडियो स्नेक, आयुषी और तनु ने सैंडविच ,लक्ष्य और लकी ने स्वीट रोल, याशिका ने फ्रूट चाट, शांतिका और निधि ने सैंडविच मिस्टी और माहिका ने भेलपुरी, नेहा और अलवीरा ने बर्गर हर्ष और विनय ने केक जतिन और विकास ने कुरकुरे चाट कशिश और प्रिशा ने सैंडविच तथा जिया और शानवी में चिप्स चाट बनाकर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम का अवलोकन संस्था प्रधान राम सिंह नेहरा, जगपाल यादव,अभय सिंह बडेसरा, प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रिंसिपल प्रमिला झाझड़िया तथा पूर्णमल गजराज द्वारा किया गया। सभी अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और उनके उत्साह को बढ़ाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में काजल, माया, विभा , शिल्पा, मोनिका, सीमा शेखावत, अंजू शर्मा, मीनाक्षी, रीना तथा उषा सहित अन्य स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। अंत में संस्था की ओर से सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए बधाई दी गई तथा भविष्य में भी इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया गया।

जीण माता धाम पर पूर्वजों के भवनों के स्वामित्व व सुविधाओं को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

ग्राम गुड़ा पौंख के 'श्री जीण माता सेवा समिति' द्वारा जीण माता धाम पर पूर्वजों द्वारा निर्मित भवनों के स्वामित्व (हक) दिलाने एवं पदयात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर आशीष मोदी को ज्ञापन सौंपा गया।

समीती के अध्यक्ष रुड़सींह शेखावत ने बताया कि गुड़ा पौंख सहित आसपास के क्षेत्रों से हर वर्ष हजारों श्रद्धालु प्राचीन परंपरा के अनुसार पदयात्रा कर जीण माता के दरबार में पहुंचते हैं। पूर्वजों द्वारा श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाए गए भवन वर्षों तक पदयात्रियों के उपयोग में आते रहे, जो आस्था और सामाजिक सहयोग का प्रतीक हैं। समिति ने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में मंदिर कमेटी द्वारा पुराने भवनों को हटाकर नए निर्माण कर दिए गए, जिससे पदयात्रियों को ठहरने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, जो कुछ भवन वर्तमान में जर्जर अवस्था में हैं, उनकी मरम्मत के लिए भी अनुमति नहीं मिल पा रही है। समिति ने मांग की कि पदयात्रियों के लिए ठहरने, पेयजल, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए तथा पूर्वजों के योगदान का सम्मान करते हुए समिति को उचित अधिकार प्रदान किए जाएं। साथ ही जर्जर भवनों की मरम्मत की अनुमति भी दिलाई जाए। जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।? इस दौरान समिति के अध्यक्ष रुड़सींह शेखावत पौंख, उपाध्यक्ष ब्रह्मदत मीणा गुड़ा,सचीव रुघवीर प्रसाद, महासचिव रविंद्र सिंह पौंख,कैला देवी,कजोड़मल सैनी, ताराचंद मेघवाल, बंशीधर, राकेश नायक,रमेश मेघवाल सहीत पदाधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रदेश को विकसित और समृद्धशाली बनाने की दिशा में स्वच्छ भारत मिशन का भी महत्वपूर्ण स्थान है- के के गुप्ता

प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर गुप्ता ने श्रीगंगानगर जिले की सभी निकायों की समीक्षा बैठक ली

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा साहब के कुशल नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश निरंतर रूप से प्रगति पथ की ओर बढ़ रहा है। 2 वर्ष 4 माह के कार्यकाल में मुख्यमंत्री द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की गई है जिसकी बदौलत प्रदेश में युवा, किसान, महिला सहित सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। यह उद्बोधन स्वच्छ भारत मिशन शहर राजस्थान सरकार के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के के गुप्ता ने एक बैठक में दिया। ब्रांड एंबेसडर गुप्ता द्वारा श्रीगंगानगर जिले की सभी नगर निकायों की बैठक को संबोधित किया गया जिसमें स्वच्छ भारत मिशन शहर सहित अन्य सभी घटक जो शहरी विकास के लिए आवश्यक है, उन कार्यों की समीक्षा लेते हुए गंगानगर के प्रत्येक शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। बैठक के प्रारंभ में नगर परिषद श्रीगंगानगर आयुक्त नयन गौतम आईएएस गंगानगर अतिरिक्त जिला कलेक्टर द्वारा गुप्ता का स्वागत किया गया। गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा साहब का संकल्प है कि हमारा राज्य समृद्ध और विकसित बने जिसके लिए स्वच्छ भारत मिशन अभियान सबसे प्राथमिक कड़ी का कार्य करता है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में 9 से 11 दिसंबर 2024 को आयोजित राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम जिसमें लगभग 30 हजार करोड रुपए से अधिक का निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए जिसमें से 8 हजार करोड़ के एमओयू पर काम भी प्रारंभ हो गया है यह राजस्थान के लिए बहुत बड़ा गौरव का विषय है जिसका सारा श्रेय राजस्थान यशस्वी मुख्यमंत्री को जाता है इससे राजस्थान समृद्ध और विकसित राजस्थान बनेगा तथा हम सबको मिलकर मुख्यमंत्री संकल्प को स्वच्छ राजस्थान बनाकर बताना होगा। गुप्ता ने कहा कि राजस्थान प्रदेश को देश के विकसित राज्यों की सूची में लाना है इसके लिए मुख्यमंत्री महोदय शर्मा साहब के नेतृत्व वाले भाजपा सरकार द्वारा हजारों करोड़ों रुपए की लागत वाली बड़ी परियोजनाएं चलाई जा रही है जिसमें राम जल सेतु लिंक परियोजना, जमुना जल समझौता है, इनके तहत प्रदेश में जल संचय और जल संरक्षण के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार द्वारा प्रधानमंत्री के विजन सबका साथ सबका विकास के पद चिन्हों पर चलते हुए राजस्थान के प्रत्येक गांव, ढाणी और शहर में अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को योजनाओं के माध्यम से विकास का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इन सभी के साथ स्वच्छ भारत मिशन शहर और ग्रामीण योजना का भी महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि एक स्वच्छ और सुंदर वातावरण से ही हम स्वच्छ सुंदर और विकसित राजस्थान की कल्पना कर सकते हैं और यह राजस्थान प्रदेश के एक नए स्वाभिमान और समृद्धि का उदय करेगा।

स्वच्छता में लक्ष्य प्राप्ति हेतु इन पांच प्रमुख बिंदुओं पर करें विशेष फोकस

बैठक में नगर परिषद श्रीगंगानगर के अधिकारीगण सहित नगर पालिका श्रीकरनपुर, पदमपुर, सादुलशहर, सूरतगढ़, केसरी सिंहपुर, गजसिंहपुर, अनूपगढ़, श्री विजय नगर, राय सिंह नगर, घड़साना के अधिशासी अधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन समन्वयक उपस्थित रहे।

डेडाराम की ढाणी में नवनिर्मित नलकूप का हुआ उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

ग्राम डेडाराम की ढाणी में नवनिर्मित नलकूप का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद बृजेंद्र सिंह ओला उपस्थित रहे साथ में पिलानी विधायक पितराम सिंह काला रहें। इस अवसर पर ग्रामीणों को पेयजल सुविधा सुदृढ़ करने की दिशा में इस कार्य को महत्वपूर्ण बताया गया और क्षेत्रवासियों ने इसका स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान निहाल सिंह रणवा, शेर सिंह नेहरा, पिलानी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद काजला, चिड़ावा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय सैनी, ओजटू सरपंच विनोद डांगी, खुडाना सरपंच महावीर जोया, सुमेर महला, सुनील जानू, अनिल जांगिड़, नारी सरपंच रंगलाल लमोरिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं मातृ शक्ति उपस्थित रही। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता है और भविष्य में भी विकास कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार व्यक्त किया गया।

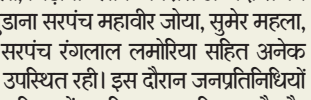

लोन रजिस्ट्री से सरकार की जेब भरी:4 माह में जयपुर से मिला 378 करोड़ का राजस्व

आम आदमी पर 0.6% का अतिरिक्त बोझ

जयपुर

राजस्थान में घर बनाना और प्रॉपर्टी पर लोन महंगा हो गया है। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग द्वारा बैंक या वित्तीय संस्थानों से लिए जाने वाले होम लोन, कंस्ट्रक्शन लोन और मॉर्गेज डीड का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। इससे सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में लोन रजिस्ट्रेशन की भीड़ लग गई। सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में सुविधाएं बढ़ाए बिना व्यवस्थाएं बदलने से परेशानी खड़ी हो गई। जयपुर के 15 सब-रजिस्ट्रार ऑफिसों में रोज 800-900 दस्तावेजों की रजिस्ट्रियां होती हैं, वहीं अब 700-750 लोन दस्तावेजों की रजिस्ट्रियां भी उसी स्टाफ को करनी होती हैं। ऐसे में लोन की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री व लोन की रजिस्ट्री में 8 से 10 दिन का समय लगने लगा है। लोन देने वाले बैंक के संबंधित अधिकारी को लोन रजिस्ट्री के समय सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति के लिए आना पड़ता है।

चिड़चिड़ापन और अनिद्रा भी हो सकते हैं फूड एलर्जी के संकेत

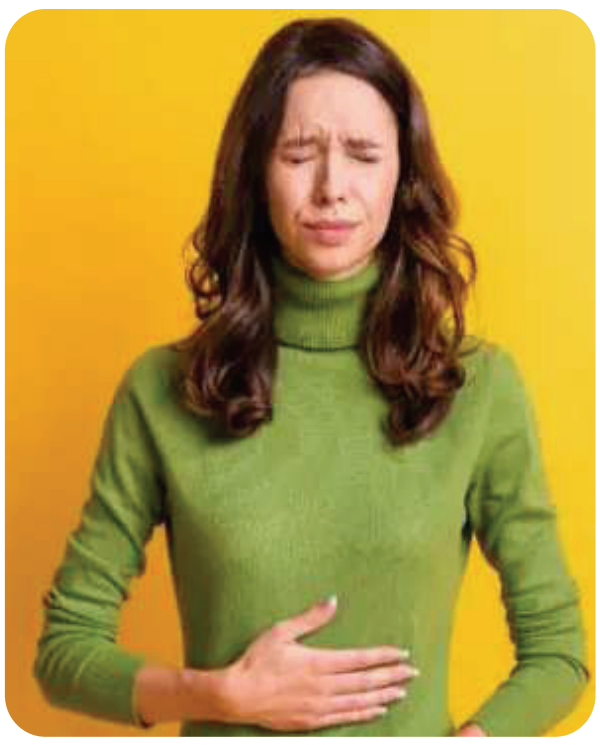

थकान, चिड़चिड़ापन, अवसाद, अनिद्रा, सिरदर्द, खुजली फ़ूड एलर्जी के कारण हो सकती है। आइये जानते हैं फ़ूड एलर्जी से बचाव के लिए क्या करना चाहिए।कभी-कभार पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ भी स्वास्थ्य समस्या का कारण बन जाते हैं। इनसे हमें पेट दर्द हो सकता है या उल्टी जैसा महसूस हो सकता है। जबकि कुछ खाद्य पदार्थों के खा लेने के बाद स्किन रैशेज भी हो जाते हैं। पर शायद आप नहीं जानती कि फूड एलर्जी गुस्सा, चिड़चिड़ापन और अनिद्रा का भी कारण बन सकती है। जानना चाहती हैं क्या है फूड और मूड का कनेक्शन? तो इसे अंत तक पढ़ती रहें।

थकान, चिड़चिड़ापन, अवसाद, अनिद्रा, सिरदर्द, खुजली फ़ूड एलर्जी के कारण हो सकती है। आइये जानते हैं फ़ूड एलर्जी से बचाव के लिए क्या करना चाहिए।कभी-कभार पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ भी स्वास्थ्य समस्या का कारण बन जाते हैं। इनसे हमें पेट दर्द हो सकता है या उल्टी जैसा महसूस हो सकता है। जबकि कुछ खाद्य पदार्थों के खा लेने के बाद स्किन रैशेज भी हो जाते हैं। पर शायद आप नहीं जानती कि फूड एलर्जी गुस्सा, चिड़चिड़ापन और अनिद्रा का भी कारण बन सकती है। जानना चाहती हैं क्या है फूड और मूड का कनेक्शन? तो इसे अंत तक पढ़ती रहें।दरअसल, अभी तक हमें यही लगता था कि फूड एलर्जी पाचन और स्किन संबंधी समस्याएं दे सकती हैं। पर विशेषज्ञ फूड एलर्जी के साइकोलॉजिकल इफैक्ट्स के बारे में भी लगातार आगाह कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी खास तरह के फूड से एलर्जी होने पर आपको गुस्सा, एंग्जाइटी और अनिद्रा जैसी समस्या भी हो सकती है।

क्यों होती है फूड एलर्जी-पोलैंड के वायोलेटा एग्निएस्का, पाउला रोब्ल्यूस्का, पिओट्र एडमजुक और प्रेज़ेमीस्लाव कोपज़ीस्की शोधकर्ताओं ने फूड एलर्जी के कारणों और उपाय पर शोध किया। इस शोध के निष्कर्ष को वर्ष 2013 में एडवांसेज इन डर्मेटोलॉजी एंड एलर्जोलॉजी जर्नल और पबमेड सेंट्रल में भी प्रकाशित किया गया। इस शोध के अनुसार, वर्तमान में फ़ूड एलर्जी को कॉमन डिजीज माना जाने लगा है। यह जीवन की बदलती परिस्थितियों और पर्यावरणीय परिवर्तनों के परिणामस्वरूप होता है। मानव जीवन की सबसे मुख्य गतिविधि है आहार और खाने का तरीका। कोई भी व्यक्ति क्या खाता है और कैसे खाता है, यह पूरी प्रक्रिया उसके स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

जेनेटिक भी हो सकती है फ़ूड एलर्जी -व्यक्ति की अनुवांशिक प्रवृत्ति प्रमुख रूप से फ़ूड एलर्जी को प्रभावित करती है। यह पाया गया है कि स्वस्थ माता-पिता के बच्चों में एलर्जी के विकास का जोखिम 5%से 15%तक होता है। जब माता-पिता में से किसी एक को एलर्जी होती है, तो यह जोखिम 40% तक बढ़ जाता है। यदि माता-पिता दोनों को फ़ूड एलर्जी है, तो यह 60-80% तक बच्चों में हो सकता है। नियमित रूप से खाया गया भोजन एनर्जी और मेटाबोलिज्म, दोनों के लिए आवश्यक है। एलर्जी के विकास में पर्यावरणीय कारक भी महत्वपूर्ण हैं, जैसे- बेहतर स्वच्छता, जीवन शैली, आहार और पोषण। इसके कारकों में सिजेरियन डिलीवरी की बढ़ती लोकप्रियता और नवजात-शिशु के पालन-पोषण के तरीके भी शामिल हैं।वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन के आंकड़ों के अनुसार, 400 से अधिक प्रकार की फूड एलर्जी हो सकती है।

किन फूड्स से ज्यादा हो सकती है एलर्जी-यदि सैद्धांतिक रूप से देखा जाए, तो सभी खाद्य पदार्थ एलर्जी प्रतिक्रियाओं का कारण बन सकते हैं। अक्सर बचपन में दूध, अंडे, गेहूं, मछली, सोया और मूंगफली एलर्जी से जुड़े होते हैं। वयस्क मनुष्यों में, मछली, लॉबस्टर, क्रैब, क्रेफ़िश और कुछ फलों, विशेष रूप से चेरी, आड़ू, आलूबुखारा, खुबानी और वसा वाले नट्स, सीड्स, मूंगफली से भी एलर्जी हो सकती है। आमतौर पर फूड एलर्जी दो तरह की होती है। पहले प्रकार में तुरंत प्रतिक्रिया होती है। इसके लक्षण कुछ मिनटों के भीतर या भोजन के सेवन के कुछ सेकंड बाद ही मिलने लगते हैं। यह एनाफिलेक्सिस , पित्ती, एंजियोन्यूरोटिक एडिमा के रूप में सामने आता है। अंडे, नट्स, मूंगफली, मछली अक्सर इस प्रकार की एलर्जी का कारण बनते हैं। दूसरे प्रकार की खाद्य एलर्जी में देर से प्रतिक्रिया मिलती है। इसमें थकान, चिड़चिड़ापन, अवसाद, अनिद्रा, सिरदर्द, खुजली, अस्थमा, कोल्ड, कफ, इनडायजेशन, सूजन, स्किन इरिटेशन जैसे लक्षण कुछ घंटे और कुछ दिनों बाद भी दिखाई देते हैं। फ़ूड एलर्जी से थकान, चिड़चिड़ापन, अवसाद, अनिद्रा, सिरदर्द, खुजली, अस्थमा, कोल्ड, कफ, इनडायजेशन, सूजन, स्किन इरिटेशन जैसे लक्षण कुछ घंटे और कुछ दिनों बाद भी दिखाई देते हैं।इस प्रकार की प्रतिक्रिया का कारण बनने वाले खाद्य पदार्थ दूध, चॉकलेट, लेगुम, साइट्रस फूड हो सकते हैं।फूड एलर्जी से बचाव के लिए सिर्फ एक उपाय ही कारगर है। वह है इन खाद्य पदार्थों से बचना, जो एलर्जी प्रतिक्रियाओं का कारण बनते हैं। इसके लिए खाद्य पदार्थों का चयन सावधानीपूर्वक करना होगा।एलर्जेन कई खाद्य पदार्थों में मौजूद हो सकता है। एक खाद्य उत्पाद में कई एलर्जेंस पाए जा सकते हैं। एलर्जेनिक गुणों में खाद्य पदार्थों और जोड़े गए दोनों घटकों में स्वाभाविक रूप से होने वाले घटक हो सकते हैं।शोध बताते हैं कि मोनोसोडियम ग्लूटामेट में एलर्जेनिक गुण होते हैं। यह प्राकृतिक रूप से कई खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। टमाटर, मशरूम, मक्का, मटर, यीस्ट में यह पाया जाता है।

मक्खन सी मुलायम हो जाएगी त्वचा, जब इन तरीकों से करेंगी मलाई का इस्तेमाल

सर्दियां ऐसे में बदलता तापमान आपकी त्वचा को पूरी तरह डल और ड्राई कर सकता है। इसलिए अब त्वचा को एक खास देखभाल की जरूरत होती है। खास कर इसे हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए हमारे पास एक परफेक्ट सॉल्यूशन है। बिना किसी खर्चे के आप अपनी त्वचा को पर्याप्त नमी प्रदान करते हुए प्राकृतिक रूप से ग्लोइंग बना सकती हैं। अब आप सोच रही होंगी कैसे? तो बता दें कि दूध उबालने के बाद ऊपर जमी पीले रंग की परत जिसे हम मलाई कहते हैं, का इस्तेमाल आपकी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। जी हां, मलाई न केवल आपकी त्वचा को नर्म और मुलायम बनाती है, बल्कि इसे टैनिंग से भी बचाए रखती है। आइए जानें कैसे करना है त्वचा के लिए मलाई का इस्तेमाल।

सुपरफूड है मलाई- मलाई का इस्तेमाल ज्यादातर मिठाइयों को बनाने या फिर भी निकालने के लिए किया जाता है। मलाई में अधिक मात्रा में फैट मौजूद होता है। इसलिए लोग फिटनेस मेंटेन करने के लिए इससे दूरी बनाने लगते हैं। हालांकि, इसे केवल खाद्य स्त्रोत के तौर पर इस्तेमाल नहीं करते आप इसे टॉपिकली फेस पैक और फेस मास्क की तरह अपने त्वचा पर अप्लाई कर सकती हैं।यह सर्दियों में त्वचा से जुड़ी समस्या से निजात पाने का एक प्रभावी घरेलू तरीका होता है। तो चलिए जानते हैं त्वचा पर होने वाले इसके फायदे साथ ही जानेंगे इसे किस तरह इस्तेमाल करना है।

1. रूखी त्वचा को मॉइश्चराइज करती है- यदि आप ड्राई स्किन की समस्या से परेशान है तो मलाई का इस्तेमाल आपके लिए फायदेमंद रहेगा। मलाई में पर्याप्त मात्रा में विटामिंस मौजूद होते हैं जो त्वचा को प्राकृतिक रूप से मॉइश्चराइज करने में मदद करते हैं।

इस तरह अप्लाई करें-त्वचा को प्राकृतिक रूप से मॉइश्चराइज करने के लिए एक कटोरी में एक चम्मच मलाई और आधा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसे अपनी त्वचा पर लगाएं और 1 से 2 मिनट तक हल्के हाथों से मसाज करें। उसके बाद 20 मिनट तक लगा हुआ छोड़ दें फिर साधारण पानी से त्वचा को साफ कर लें।

2. स्किन टैनिंग को कम करे-सूरज की किरणों के संपर्क में ज्यादा देर तक रहने के कारण सनबर्न और स्किन टैनिंग हो जाती है। ऐसे में त्वचा काफी मुरझाई नजर आती है। इस समस्या से निजात पाने में मलाई आपकी मदद कर सकता है। मलाई के कूलिंग इफेक्ट त्वचा को ठंडा करते हैं और सनबर्न को हील करने में मदद करते हैं।

इस तरह करें इस्तेमाल-एक कटोरी में एक चम्मच मलाई और आधा चम्मच बेसन लें। इन्हें अच्छी तरह मिला लें और त्वचा पर लगाएं। 1 से 2 मिनट तक मसाज दे फिर 20 मिनट तक लगा हुआ छोर दें। बाद में सामान्य पानी से चेहरे को साफ करें। यदि आप चाहे तो केवल मलाई को भी त्वचा पर अप्लाई कर सकती हैं। **3. स्किन की डीप क्लींजिंग**- मलाई को प्राकृतिक क्लींजर के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह स्किन पोर्स को खोलता है और इनमें जमी धूल गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। वहीं मलाई में मौजूद विटामिंस और प्रोटीन स्किन को हेल्दी रहने में मदद करती।एक कटोरी में एक चम्मच मलाई लें उसमें आधा नींबू निचोड़ दें और कॉटन पैड से इसे त्वचा पर अप्लाई करें। साथ ही कॉटन की मदद से इसे 5 मिनट तक सर्कुलर मोशन में त्वचा पर मिलाती रहें। प्रभावी परिणाम के लिए कम से कम हफ्ते में 3 बार ऐसा जरूर करें।

जानिए कब होती है किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत और क्या होनी चाहिए सावधानियां

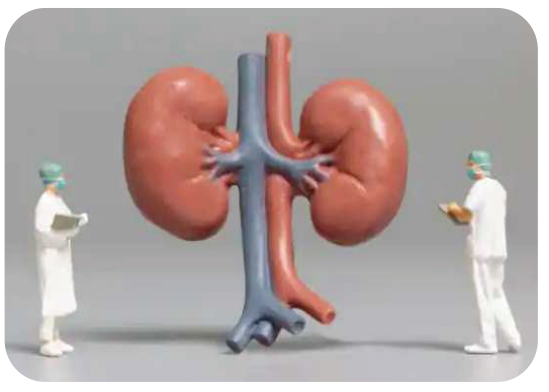

किडनी ट्रांसप्लांट एक जटिल प्रक्रिया है। सफल प्रत्यारोपण होने पर यह डायलिसिस की अपेक्षा शरीर के लिए अधिक उपयोगी है। आइये जानते हैं इस प्रक्रिया के बारे में सब कुछ।पिछले दिनों बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य सुर्ख़ियों में रहीं। दरअसल, लालू यादव की दोनों किडनी खराब हो चुकी हैं। बेटी रोहिणी अपनी एक किडनी लालू को डोनेट करना चाहती हैं। इसी के साथ लोगों में इस बात पर चर्चा होने लगी कि इस उम्र में किडनी ट्रांसप्लांट करवाना सेफ है? या इसके बाद क्या चुनौतियां हो सकती हैं? असल में किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में जागरुकता बहुत कम है। जबकि एक्सपर्ट इसे डायलिसिस से ज्यादा सुरक्षित मानते हैं। आपकी जिज्ञासा के मद्देनजर हेल्थ शॉट्स के इस लेख में हम उन सभी सवालों का जवाब दे रहे हैं, जिन्हें आपको जानना चाहिए।शरीर को किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत कब पड़ती है।किडनी डोनेट कौन कर सकता है।अगर किडनी डोनेट की जा रही है, तो किन चीजों का ध्यान रखना पड़ता है।

क्या इसमें कुछ जोखिम भी हो सकते हैं। इन जोखिमों से कैसे बचा जा सकता है।

अपनी किडनी खराब हो जाने पर प्रत्यारोपण है सुरक्षित विकल्प-किडनी का काम प्रभावित होना या गुर्दे की विफलता एक जटिल प्रक्रिया है। जब किडनी का काम करना प्रभावित हो जाता है, तो अक्सर रोगी के पास बहुत कम विकल्प बच पाते हैं। रीजेंसी हेल्थ, लखनऊ के डॉक्टरों के अनुसार डायलिसिस की तुलना में रोगियों में गुर्दा प्रत्यारोपण बेहतर जीवनशैली, मृत्यु के कम जोखिम, कम आहार प्रतिबंधों और बहुत कम उपचार लागत से जुड़ा हुआ है। गुर्दे की विफलता की स्थिति में गुर्दा प्रत्यारोपण एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। यह रोगी के लंबे और स्वस्थ रहने के लिए क्रोनिक किडनी रोग या यहां तक ??कि अंतिम चरण के गुर्दे की बीमारी के कारण किसी भी छोटी या लंबी अवधि की समस्या का समाधान कर सकता है।

डायलिसिस के जरिये भी होता है किडनी में सुधार-जब गुर्दे अपने कार्यों को ठीक तरह से पूरा नहीं कर पाते हैं, तो अपशिष्ट उत्पाद, इलेक्ट्रोलाइट्स और तरल पदार्थ ब्लड सर्कुलेशन में शामिल होने लगते हैं। डायलिसिस इस गंदगी को साफ करने में मदद करता है।

डैंड्रफ से निजात दिला सकता है ये आयुर्वेदिक एंटी डैंड्रफ मास्क, जानिए कैसे बनाना है और कैसे लगाना है

बाजार में मौजूद जो शैंपू डैंड्रफ का सफाया करने का दावा करते हैं, वे डैंड्रफ की बजाए बालों के लिए ही हानिकारक साबित होते हैं। इसलिए आपको कुछ हानिरहित सामग्रियों की तरफ ध्यान देना चाहिए।बाल हमारे व्यक्तित्व में एक अहम भूमिका अदा करते हैं। बालों को हेल्दी, सॉफ्ट और शाइनी रखने के लिए लोग न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन बदलते मौसम में बालों से संबंधित कुछ समस्याएं होना बेहद आम है। जिसमें से एक परेशानी डैंड्रफ है। इसे हटाने के लिए लोग केमिकल युक्त प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। जिसके कुछ खास नतीजे हासिल नहीं होते, बल्कि कुछ समय बाद यह परेशानी वापस आ जाती है। यदि आप डैंड्रफ से परेशान हैं तो आज हेल्थ शॉट्स की टीम आपके लिए ऐसा उपाय लायी है, जिससे आप सरलता से इस समस्या से निजात पा सकते हैं। वह भी बिल्कुल हानि रहित। यहां है डैंड्रफ से छुटकारा दिलाने वाला एक आयुर्वेदिक हेयर मास्क । आइए जानते हैं क्या है इसे बनाने और लगाने का तरीका।। सर्दियों के साथ ही बालों में धीरे-धीरे डैंड्रफ भी बढ़ने लगती है। हालांकि इसके लिए मार्केट में मिलने वाले केमिकल युक्त प्रोडक्ट यह दावा करते दिख जाएंगे कि वे डैंड्रफ का सफाया कर सकते हैं। पर बहुत बार इनका इस्तेमाल बालों को और ज्यादा रूखा और बेजान बना देता है। इसलिए इन केमिकल वाले प्रोडक्ट पर भरोसा करने की बजाए, क्यों न मम्मी की रसोई में रखी सामग्रियों का इस्तेमाल करें। तो चलिए जानते है एंटी डैंड्रफ मास्क बनाने और लगाने का तरीका।**क्यों हो जाती है सर्दियों में बालों में डैंड्रफ**-आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉक्टर दीक्सा भावसार सावलिया कहती हैं कि रुसी एक प्रकार का फंगल इंफेक्शन होता है। जिसकी वजह से सिर में खुजली होती है और बालों की जड़े भी कमजोर होने लगती हैं। जब आप बालों में खुजली करती हैं, तो ये परत खुरच कर पूरे बालों में बिखर जाती है। जिससे न सिर्फ रूसी बालों के ऊपर और कपड़ों पर नजर आने लगती है, बल्कि इससे हेयर फॉल भी बढ़ जाता है। इसलिए इससे समय रहते निजात पाना जरूरी है।आइए पहले जान लेते हैं इस एंटी डैंड्रफ हेयर मास्क में शामिल सामग्री के फायदे**1. दही** -दही प्रोटीन से भरपूर होता है और आपके बालों को उचित विकास के लिए आवश्यक पोषण प्रदान करता है। दही में मौजूद पोषक तत्व आपके बालों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके साथ ही इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो स्किन से संबंधित कई संक्रमण को दूर करने में सहायता करता है। रुसी भी स्कैल्प पर होने वाले संक्रमण का एक प्रभाव है। ऐसे में दही का इस्तेमाल सिर की त्वचा पर कंडीशनर की तरह कार्य करता है जिससे खुजली की परेशानी से राहत मिलने के साथ डैंड्रफ भी दूर होती है। **2. करी पत्ता** -वैसे तो हमारे आस पास कई जड़ी-बूटियां मौजूद हैं। बेशक, हम इनका प्रयोग कई सालों से कर रहे हो लेकिन इनके गुणों से अनजान रहते हैं।

जीवानी इंटरनेशनल स्कूल के सितारों ने चमकाया नामः आरुष भारद्वाज 96' के साथ टॉपर

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सीबीएसई 10वीं कक्षा के परिणामों में जीवानी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार सफलता हासिल की है। स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। स्कूल के होनहार छात्र आरुष भारद्वाज ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, वंदना और अनुष्का ने 95.2 प्रतिशत अंकों के साथ अपनी मेधा का परिचय दिया। अनुष्का ने सामाजिक विज्ञान में 99 अंक प्राप्त कर अपनी विशेष पकड़ साबित की।

90' से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों में यशराज शर्माः 93.8', प्रियांशुः 93.2'

आयुष धायलः 92.6', कोमलः 91.8', तनिशाः 90.8' (सामाजिक विज्ञान में 100 में से 100 अंक) आदि हैं। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल रहा। सफल विद्यार्थियों को माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने मिठाइयां बांटकर खुशी साझा की। सेक्रेटरी भगवती मील ने छात्रों को भविष्य के लिए प्रेरित किया, वहीं डायरेक्टर रितेश मील और सिद्धि मील ने

■ यह सफलता बच्चों की कड़ी मेहनत और समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। जीवानी इंटरनेशनल स्कूल हमेशा से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध रहा है। '

– संवरमल मील, चेयरमैन

इस उत्कृष्ट परिणाम के लिए अभिभावकों और स्टाफ का आभार जताया।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर वाइस प्रिंसिपल दीपा शर्मा, एकेडमिक इंचार्ज सुनील वर्मा, करियर एकेडमी इंचार्ज दीपेश भारद्वाज सहित देवेंद्र जाखड़, विजय सिहाग, शिखा सुलोदिया, मृणाली भारद्वाज, मोहित कुमार एवं समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

मंडावर के लाल ने राजधानी जयपुर में बजाया डंका

रामअवतार गुप्ता मानसरोवर अग्रवाल समाज समिति के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य के रूप में हुये विजयी घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मानसरोवर की धरती पर एक बार फिर मंडावर के लाल ने अपनी पकड़ और प्रतिष्ठा का लोहा मनवा दिया है। मानसरोवर अग्रवाल समाज समिति, जयपुर के हाल ही में सम्पन्न हुए चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार जगत के चर्चित नाम रामअवतार गुप्ता (मंडावर वाले) ने भारी मतों से कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विजयी घोषित होकर न केवल अपनी सामाजिक साख को मजबूत किया है, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि 'जहां मेहनत की चिंगारी हो, वहां जीत की लौ खुद-ब-खुद जल उठती है।' दिनांक 13 अप्रैल 2026 को सम्पन्न हुए इस चुनाव को समिति के अध्यक्ष रामगोपाल सिंघल, महामंत्री लख्मीचंद सिंघल एवं कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार गुप्ता के निर्देशन में चुनाव समिति द्वारा शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराया गया। चुनाव अधिकारी हरिचरण सिंघल एवं

राजकुमार बंसल की देखरेख में मतगणना प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिणाम घोषित किए गए, जिसमें रामअवतार गुप्ता को समाज के लोगो का पूरा समर्थन मिला और उन्हें आगामी तीन वर्षों के लिए कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विजयी घोषित किया गया। गौरतलब है कि रामअवतार गुप्ता वर्तमान में शिव विहार-बी कॉलोनी के अध्यक्ष हैं और पिछले 14 वर्षों से लगातार इस पद पर बने हुए हैं, जो अपने आप में उनके नेतृत्व कौशल और जनविश्वास का प्रमाण है। साथ ही जयपुर पुलिस के जिला स्तरीय सीएलजी सदस्य के रूप में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही है, जिससे सामाजिक समन्वय और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में उनकी भूमिका और अधिक सशक्त बनती है। जीत के बाद रामअवतार गुप्ता ने कहा कि समाज के लोगों ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उसे पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ निभाने के लिए संकल्पित हैं। उनके इस कथन ने साफ कर दिया कि 'सफलता सिर चढ़कर नहीं बोलती, बल्कि जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ा देती है।' उधर, जैसे ही जीत की घोषणा हुई, समिति के पदाधिकारियों सहित समाज के लोगों ने उन्हें बधाइयों से सराबोर कर दिया। मानसरोवर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई, वहीं जयपुर के साथ-साथ उनकी जन्मभूमि मंडावर में भी लोगों ने गर्व के साथ अपने लाल की इस उपलब्धि का स्वागत किया। फोन, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत मुलाकातों के जरिए बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है। यह जीत केवल एक पद की प्राप्ति नहीं, बल्कि उस विश्वास की जीत है जो वर्षों की सेवा, समर्पण और समाज के प्रति ईमानदार प्रयासों से अर्जित होता है।

जैसा कि शेर में कहा गया है– 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है।' रामअवतार गुप्ता की यह सफलता इसी बुलंदी की कहानी बयां करती है, जो अब समाज सेवा के नए अध्याय लिखने को तैयार है।

नीमराना में सड़क हादसे में वृद्ध महिला की मौत, पोस्टमार्टम के लिए घंटों करना पड़ा इंतजार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में वृद्ध महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शाहजहांपुर निवासी हेमंत कुमार यादव अपनी दादी विमला देवी को स्कूटी पर बैठाकर इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जा रहे थे। अस्पताल के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में हेमंत स्कूटी से गिरकर सुरक्षित बच गए, लेकिन विमला देवी ट्रक की चपेट में आ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक का पहिया उनके सिर और गले के ऊपर से गुजर गया, जिससे

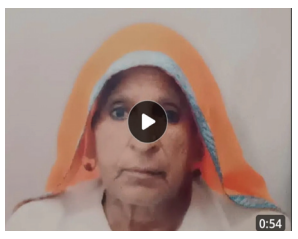

उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों को करना पड़ा लंबा इंतजार। मृतका के परिजन सुनील यादव ने बताया कि हादसे के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए नीमराना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया गया, लेकिन अस्पताल में डॉक्टर और स्टाफ के अनुपस्थित रहने के कारण परिजनों को घंटों इंतजार करना पड़ा। उन्होंने बताया कि पुलिस की औपचारिक कार्रवाई पूरी होने के बाद परिजन दोपहर करीब 1:30 बजे अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन उस समय कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। पुलिसकर्मियों ने भी डॉक्टर से संपर्क करने की कोशिश की, मगर चिकित्सक करीब 3 बजे अस्पताल पहुंचे, जिसके बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू हो सकी। स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी जताई है और मांग की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आपात स्थिति के लिए डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में परिजनों को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नीले सैलाब में डूबा मंडावर–रामचंद्र बैरवा की अगुवाई में अंबेडकर जयंती बनी सामाजिक एकता का ऐतिहासिक घोष

रामचंद्र बैरवा के नेतृत्व में उमड़ा जनसागर, वाल्मीकि समाज को मंच पर सम्मान से जोड़कर दिया समरसता का संदेश।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'जिसने हक की मशाल जलाई, वो हर दिल में उजाला कर गया '–भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर मंडावर में ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि पूरा कस्बा नीले रंग में रंगा नजर आया, और इस ऐतिहासिक आयोजन की धुरी बने अखिल भारतीय बैरवा महासभा महवा ब्लॉक अध्यक्ष एवं कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ मंडावर ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र बैरवा, जिनकी अध्यक्षता में यह कार्यक्रम केवल जयंती नहीं बल्कि सामाजिक एकता का विराट संदेश बन गया। रामचंद्र बैरवा के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य आयोजन में अनुशासन, उत्साह और संगठन शक्ति का ऐसा संगम देखने को मिला जिसने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व मजबूत हो तो 'कारवां खुद-ब-खुद जनआंदोलन बन जाता है।' कार्यक्रम का शुभारंभ फाइबर निर्मित बाबा साहेब की आकर्षक प्रतिमा के अनावरण से हुआ, जिसके बाद प्रतिभा कैंपस स्कूल से

बाबा साहब की प्रतिमा पर फूल चढ़ाते हुये रामचंद्र बैरवा सहित अन्य लोग।

निकली शोभायात्रा जनसैलाब में बदल गई। मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र मीना एवं विशिष्ट अतिथि ललित बैरवा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में समाजबंधु शामिल हुए, लेकिन पूरे आयोजन की कमान रामचंद्र बैरवा के हाथों में रही, जिन्होंने हर मोड़ पर एकता, अनुशासन और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। भूडा मोड़ से अंबेडकर खेल मैदान तक सजे स्वागत द्वार, जेसीबी से होती पुष्प वर्षा और सेवा भाव से की गई व्यवस्थाओं के बीच यह शोभायात्रा केवल एक परंपरा नहीं बल्कि सामाजिक जागरण की जीवंत तस्वीर बन गई। इसी क्रम में कार्यक्रम स्थल पर एक विशेष पहल करते हुए रामचंद्र बैरवा ने क्षेत्र के वाल्मीकि समाज को मंच पर ससम्मान आमंत्रित कर बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करवाया, जिसकी सर्वत्र सराहना हुई और यह दृश्य सामाजिक समरसता की मिसाल बन गया। मंचीय कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान रामचंद्र बैरवा ने दो टूक शब्दों में कहा कि बाबा साहेब का सपना केवल एक समाज नहीं बल्कि सभी वर्गों की समान भागीदारी और सम्मान से ही पूरा हो सकता है, और जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय नहीं मिलेगा तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। उनके इस संबोधन ने उपस्थित जनसमूह में नई ऊर्जा का संचार कर दिया। अंत में पुष्पांजलि, सम्मान समारोह और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ, लेकिन यह आयोजन एक संदेश छोड़ गया कि 'यह सिर्फ जयंती नहीं, बल्कि एक विचार की क्रांति है।' मंडावर, महवा, बैजूपाड़ा, रैणी, लक्ष्मणगढ़, कठूमर और अलवर क्षेत्र से उमड़ी भीड़ ने यह साबित कर दिया कि रामचंद्र बैरवा के नेतृत्व में समाज अब एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा है, जहां एकता ही सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रही है।

ताइक्वांडो में महवा के लालों का कमालः आगरा की धरती पर चमका बोहराज ग्लोबल स्कूल का परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'मेहनत की ठोकरों ने ही मुकाम तक पहुंचाया है, वरना ख्वाब तो हर कोई देखता है '–इसी जज़्बे को साकार करते हुए महवा स्थित द बौहराज ग्लोबल स्कूल के नन्हे खिलाड़ियों ने आगरा में आयोजित द्वितीय इनविटेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ऐसा दमखम दिखाया कि पूरे क्षेत्र का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। ग्रामीण अंचल की माटी से उठे इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने साबित कर दिया कि हुनर को न संसाधनों की कमी रोक सकती है और न ही मंच की दूरी। विद्यालय के छात्र ईशांत योगी (कक्षा 5वीं ए) एवं कनिष्क गौतम (कक्षा 6वीं ए) ने फ्रेशर्स वर्ग में भाग लेते हुए अनुशासन, तकनीकी दक्षता और अदम्य आत्मविश्वास का ऐसा प्रदर्शन किया कि दर्शक भी दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हो गए। ईशांत योगी ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया, वहीं कनिष्क गौतम ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच रजत पदक हासिल कर विद्यालय का मान बढ़ाया। यह उपलब्धि केवल दो विद्यार्थियों की जीत नहीं, बल्कि पूरे महवा क्षेत्र की खेल प्रतिभा का जीवंत प्रमाण बनकर उभरी है। इस सफलता के पीछे विद्यार्थियों का कठिन परिश्रम, सतत अभ्यास और कोच का सशक्त मार्गदर्शन स्पष्ट रूप से झलकता है। विद्यालय प्रशासन ने भी इस उपलब्धि को गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर

अपनी पहचान बनाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। विद्यालय की प्राचार्या दिव्या मिश्रा ने दोनों विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। इस अवसर पर स्कूल निदेशक विनय बौहरा, सह निदेशक विकास बौहरा (महवा/बालाजी मंडावर), प्राचार्या दिव्या मिश्रा सहित समस्त स्टाफ–राजेश, पुनीत, वाइस प्रिंसिपल श्वेता राणा, एक्स एलन फैकल्टी योगेश, दीपक, महेश, अभिषेक शर्मा, अभिषेक व्यास, मनीष, जितेंद्र, संध्या एवं हरीश त्रिपाठी–की उपस्थिति में विजेताओं का उत्साहवर्धन किया गया।

'जो लहू में हो जुनून, तो हर मैदान अपना है '–इसी विश्वास के साथ इन नन्हे खिलाड़ियों ने यह सिद्ध कर दिया कि महवा की धरती अब केवल परंपराओं की नहीं, बल्कि उभरती खेल प्रतिभाओं की भी पहचान बनती जा रही है।

राठ इंटरनेशनल स्कूल का शानदार प्रदर्शन, छात्रों ने लहराया परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज,कुंड।

मनोज बुलाण । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के घोषित परीक्षा परिणामों में राठ इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस वर्ष छात्रों ने अनुशासन, मेहनत और लगन के बल पर शानदार सफलता हासिल की, जिससे विद्यालय में खुशी का माहौल बना हुआ है।विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों ने उच्च अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बिंदु ने 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं जिया ने 99 प्रतिशत और वानवी ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा दक्ष (97.8'), कनक (97.6'), तमन्ना, खुशबू, अंसू और निकिता (97.2'), यशू व तेजल (97'), टिक्सू (96.4'), साहिल (95.8'), जतिन (95.6'), मानवी (95.4') तथा सार्थक (95.2') ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन परिणामों से विद्यालय में उत्साह और गर्व का माहौल है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को साबित किया, बल्कि क्षेत्र में भी नई पहचान दिलाई है। विद्यालय के चेयरमैन बलवान सिंह यादव ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत और समर्पण का

परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यार्थी भविष्य में भी नई ऊँचाइयों को छुएंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। एकेडमिक डीन प्रियंका यादव ने कहा कि यह उपलब्धि निरंतर प्रयास, सही मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।प्राचार्य पवन कुमार यादव ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता का यह पड़ाव उनके सुनहरे भविष्य की शुरुआत है। उन्होंने छात्रों को आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के कॉर्डिनेटर जितेंद्र, निशा यादव, ज्योति यादव तथा हेडमिस्ट्रेस शिप्रा सहित समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं अभिभावकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार का आभार जताया।

पक्षियों के लिए लगाए परिंडे , नियमित सेवा का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती ग्राम लुमास का बास ग्राम के स्कूल में स्थित शिवजी के मंदिर ओर आम चौक पर पक्षियों के लिए दाना पानी को लेकर परिंडे बांधे ओर चुग्गा पात्र रखे। पर्यावरण प्रेमी व पक्षी मित्र संजय शर्मा ने डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर रक्तदान करने वाले युवाओं के साथ बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाए। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी लोगो को जागरूक किया गया। इस अवसर पर सतीश बुगालिया,अनिल हुड्डा ,रमेश बिशु,पवन कालेर , कमलेश गोदारा,बाबूलाल सैनी, अशोक जांगिड़ ने पक्षियों के परिंदे को भरने की जिम्मेदारी ली।

प्रवेशोत्सव अभियान में अभिभावकों को सरकारी स्कूल में प्रवेश के लिए किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विधाधर शर्मा एवं रिसोर्स पर्सन सुरेश कुमार भास्कर ने पीईईओ अलखपुरा गोदरान में प्रवेशोत्सव अभियान की प्रगति का जायजा लिया । प्रवेशोत्सव एवं नामांकन प्रभारी दिनेश शर्मा ने प्रवेशोत्सव अभियान के दौरान आयोजित गतिविधियो का अवलोकन करवाया।साक्षरता अभियान के तहत पंचरत्न कार्यक्रम के अवसर पर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहकर शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों के साथ साथ साक्षरता प्रभारी एवं पीईईओ अशोक राव को सीबीईओ विद्याधर शर्मा व संदर्भ व्यक्ति सुरेश कुमार भास्कर ने माल्यार्पण कर पंचरत्न पुस्तिका व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया ।इसी प्रकार भोजासर बड़ा विद्यालय में भी कार्यक्रम में पीईईओ परमेश्वर आलड़िया व विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।राउमावि बगड़ी में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक कॉर्डिनेटर साक्षरता रणवीर गढ़वाल ने विद्यार्थियों से साक्षरता अभियान में सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रवेशोत्सव अभियान की मोनेटरिंग एवं सुपरविजन करते हुए ब्लॉक के दर्जनों विद्यालयों का निरीक्षण एवं अवलोकन कर शाला प्रवेश योग्य बच्चों , अभिभावकों एवं ग्रामीणजनों को सरकारी विद्यालयों में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया।

मेडिकल लैब टेक्नीशियन दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजकीय भगवान दास खेतान अस्पताल, झुंझुनू में मेडिकल लैब टेक्नीशियन दिवस उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र भांभू द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. भांभू ने अपने संबोधन में कहा कि लैब टेक्नीशियन स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ (Backbone) होते हैं, क्योंकि मरीज के उपचार का एक बड़ा हिस्सा प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट पर आधारित होता है। उन्होंने सभी लैब टेक्नीशियनों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम में पैथोलॉजिस्ट डॉ. राहुल सोनी एवं डॉ. आकाश तथा माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. सपना ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए लैब टेक्नीशियन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सटीक एवं समयबद्ध जांच ही गुणवत्तापूर्ण उपचार की आधारशिला है। इस अवसर पर नर्सिंग अधीक्षक श्री ओम प्रकाश की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने भी लैब टेक्नीशियनों के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। इस अवसर पर प्रयोगशाला सेवाओं की गुणवत्ता सुधार, स्वच्छता बनाए रखने तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर भी विशेष चर्चा की गई। साथ ही मरीजों को शीघ्र एवं सटीक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयास करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ तकनीकी सहायक मुकेश कुमार एवं श्याम सुंदर शर्मा, तकनीकी सहायक चंद्र मोहन अग्रवाल, श्याम सुंदर गोयल सहित संगम, तबस्सुम,अंजू कुमारी, सुरेश कुमार, सुनील, प्रेम सिंह, मुरलीधर, अश्विनी, दीपक, पूनम, रितु,मोंटी, आदेश, प्रवीण, अमन,विशाल तथा अस्पताल के अन्य समस्त प्रयोगशाला कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अंत में सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने का आह्वान किया गया।

सीबीएसई 10वीं परीक्षा परिणाम में गोयनका पब्लिक स्कूल ने लहराया सफलता का परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सीबीएसई 10वीं परीक्षा परिणाम में गोयनका पब्लिक स्कूल ने सफलता का परचम लहराते हुए स्कूल में अर्जुन दुबे, गर्वित शर्मा ने संयुक्त रूप से 94 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। जबकि लक्ष्य बुरड़क ने 86 प्रतिशत एवं रिद्धिमा जाजोदिया ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।साथ ही स्कूल में कुल विद्यार्थियों में से 50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से ऊपर अंक अर्जित करते हुए विद्यालय परिवार का नाम रोशन किया । संस्थान के अध्यक्ष श्याम सुंदर गोयनका ने शानदार परिणाम के लिए छात्रों ,अभिभावकों एवं संस्थान की टीम को बधाई देते हुए उत्साह वर्धन किया ।प्रिंसिपल आदित्य कुमार सरावगी ने सभी छात्रों एवं अभिभावकों एवं टीचर्स को शानदार परिणाम के लिए बधाई दी तथा सभी को आश्वस्त किया कि संस्थान अपने सुदृढ़ परिणाम के लिए कटिबध है और आने वाले समय में औरअच्छे परिणाम अगले वर्षों में संस्थान में देखने को मिलेंगे ।

बाबा डॉ शैलेन्द्र नाथ अघोरी का भाजपा ने किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूँ

मुकुंदगढ ब्रह्म बगीची आश्रम के महंत बाबा डॉ शैलेन्द्र नाथ अघोरी को डॉक्ट्रेट की उपाधि मिलने पर झुंझुनूँ शहर मुख्यालय पर आयोजित शोभायात्रा में एक नम्बर रोड स्थित जे पी जानू स्कूल के समक्ष भाजपा के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरी के नेतृत्व में उनका पुष्प माला पहनाकर एव पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, जिला महामंत्री दलीप सैनी, जिला उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह शेखावत, अजय चाहर, महावीर ढाका, शहर मण्डल अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा, प्रकोष्ठ संयोजक

जे पी चौधरी, राकेश सहल, अनिल जोशी, विजेंद्र हटवाल, पार्षद विजय सैनी, कुलदीप सिंह कालीपहाड़ी, महेंद्र सोनी मणिविहार, सुमेर कड़वासरा, अर्जुन चौधरी, रविंद्र तोलियासर, संजीव महला, राजेन्द्र चौधरी, नितेश खीचड़, अनिल स्वामी , शक्ति सिंह शेखावत, विकास चौधरी , मुकेश, नरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

उदयपुरवाटी में समरसता दिवस पर डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह संपन्न

स्वास्थ्य शिविर व व्याख्यान माला में उमड़ा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । सनातन संस्कृति रक्षा समन्वयक समरसता आंदोलन एवं आनंद श्री चेतना केंद्र, उदयपुरवाटी के तत्वावधान में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समरसता दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) गोविंद शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन सामाजिक समता, शिक्षा और संविधानिक मूल्यों का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज में समानता और शिक्षा के प्रसार पर बल दिया। मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) जनक सिंह मीणा ने व्याख्यान देते हुए उनके विचारों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक बताया। अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) मोहनलाल छीपा ने की। विशिष्ट वक्ता डॉ. प्रीति जोशी ने भारतीय

संविधान की विशेषताओं एवं अंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा ने सामाजिक समरसता को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। विद्यार्थियों एवं कलाकारों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति एवं प्रेरक गीतों की सराहना की गई। इस अवसर पर प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य चेतना शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। डॉ धीरेंद्र सिंह राघव, डॉ खुशबू राठौड़, डॉ बीके शेखावत, डॉ अंकिता चौधरी, डॉ नरेंद्र सिंह नरूका ने सेवाएं दी। समारोह में क्षेत्र की शैक्षणिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया तथा डॉ जनक सिंह मीणा को ' राजस्थान अंबेडकर रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। गिरधारी लाल राठी को शेखावत अंबेडकर रत्न सम्मान प्रदान किया गया। स्वामी लोकेश्वरानंद ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक समरसता और शिक्षा के प्रसार हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस दौरान ब्रह्माकुमारी बहन सुनिता, डॉ अनिमेष गुप्ता, तेजपाल सिंह, डॉ प्रहलाद गुर्जर, शीशराम गोदारा, मनीराम मण्डीवाल, हरि सिंह, रिछपाल सिंह, अमित जाखड़, मेघराज पुलकित, शत्रुघ्न सिंह, प्रेमलता शर्मा, मो अली खान, बजरंग सोनी, बनवारी लाल मीणा, रिशाल पायल, सतीश मिश्रा, बिरजू महाराज, रामदेव जांगिड़, गोरधन सिंह चिराना, एडवोकेट मोतीलाल सैनी, हुक्म सिंह, अजय तसीद, रामकरण सैनी, झब्बर सिंह, रामप्रताप पुलकित, संजय सैनी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की 135वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे के शिशु वाटिका सभागार में मंडल अध्यक्ष एडवोकेट लक्ष्मण राम सैनी की अध्यक्षता में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 135 जयंती पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाई गई इस अवसर पर मुख्य वक्ता वरिष्ठ पदाधिकारी गिरधरी लाल राठी ने बाबा साहब की जीवन परिचय के बारे में कार्यकर्ताओं को विस्तार से बताएं तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश सैनी ने बाबा साहब को भारत के संविधान का निर्माता के रूप में बताते हुए कार्यकर्ताओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए तथा मंडल अध्यक्ष ने अंबेडकर जयंती के इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी वरिष्ठ और श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष झाबर मल सैनी महामंत्री अशोक सैनी वीरेंद्र सिंह शेखावत राजेंद्र ढेनवाल पूर्व महामंत्री जबर सिंह शेखावत उपाध्यक्ष शिभू दयाल सैनी घनश्याम स्वामी दिनेश सैनी गोपाल मीणा विनोद कुमावत मंगल खारडिया पार्षद सीताराम जांगिड़ संदीप सोनी तेजस छिपा अनिल सैनी मंडल मंत्री आनंद सैनी रामरतन शर्मा

दौलत राम चावरिया राजेश सैनी कोषाध्यक्ष विजय कुमार चेजारा मीडिया प्रमुख प्रदीप कुमार आईटी प्रमुख अनिकेत सैनी पूर्व उपाध्यक्ष रामा महाराज सुभाष सैनी ओम प्रकाश सैनी सुरेश कुमार सैनी विनोद कुमार मुकेश मीणा चोरे लाल सैनी धन्नारामसैनी हरजीराम नफीस कुरेशी नर्सिंग असवाल हरीश शर्मा प्रभु दयाल सैनी छाजूराम डीगवाल नितेश कुमार सैनी सचिन जांगिड़ गोविंद जांगिड़ कैलाश चंद सैनी प्रकाश सैनी महावीर प्रसाद सैनी समदर सैनी कृष्ण कुमार माथुर महेश कुमार सैनी राजेंद्र असवाल रमेश कुमार सैनी रवि कुमार रितिक आदि वरिष्ठ और श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगा एचपीवी टीका

एडीसी तरुण कुमार पावरिया ने ली समीक्षा बैठक

14 से 15 वर्ष की किशोरियों को मिल रहा सुरक्षा कवच

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा सरकार द्वारा बेटियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाए जा रहे सर्वाइकल कैंसर बचाव टीकाकरण अभियान की समीक्षा के लिए आज अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय में एक बैठक आयोजित की गई। एडीसी ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है, जिसे समय पर टीकाकरण के माध्यम से आसानी से रोका जा सकता है। उन्होंने जिले में चल रहे अभियान को लेकर अधिकारियों को

निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र किशोरी तक इस टीके की पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि यह अभियान विशेष रूप से उन किशोरियों के लिए है जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है और 15 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है। अभियान के तहत गार्डासिल 4 नामक टीका लगाया जा रहा है, जो पूरी तरह सुरक्षित है और भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक जांच के बाद अनुमोदित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पात्र किशोरियों को यह टीका पूरी तरह निःशुल्क लगाया जा रहा है। एडीसी ने स्पष्ट किया कि टीकाकरण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। इसके लिए यू-विन पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण किया जाता है और टीका लगने के बाद अभिभावक डिजिटल प्रमाण पत्र भी डाउनलोड कर सकते हैं। टीकाकरण के लिए ओटीपी आधारित या लिखित सहमति अनिवार्य की गई है। इस बैठक में सीएमओ डॉ अशोक कुमार तथा डीडीपीओ प्रमोद कुमार के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

एडीसी की नागरिकों से अपील

अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया ने आम नागरिकों और अभिभावकों से अपील की है कि सर्वाइकल कैंसर एक गंभीर बीमारी है, लेकिन हमारी बेटियों के पास आज इससे बचने का अवसर है। अभिभावक किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है और हमारी बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है। अपनी 14 से 15 वर्ष की पात्र बेटियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या स्कूल में ले जाकर यह टीका अवश्य लगवाएं।

नवीन प्रवेश के साथ ही शिशु वाटिका के बड़े पोस्टर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बा के पुरानी सब्जी मंडी के पास स्थित शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर के विभिन्न गतिविधियों के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को सेवा निवृत्त आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ विमल कुमार शर्मा ने किया। इन्होंने इस अवसर पर अपनी पौत्री पूर्वी शर्मा का भी नवीन प्रवेश करावाया।संस्था प्रधान श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि गणेश पूजन, सरस्वती वंदना, जयंतियां, उत्सव, जिला शिशु वाटिका टोली,हवन, अग्निहोत्र,पाटी पोथी पूजन, स्वर्ण प्राशन्न, भामाशाह सम्मान, पूर्व छात्र सम्मान, अखिल भारतीय, प्रान्त एवं जिला अधिकारी की उपस्थित में जिला प्रधानाचार्य बैठक,प्रांतीय अधिकारी अवलोकन, पौधा रोपण, संकुल एवं जिला स्तरीय स्वच्छता निरीक्षण टोली, सामुहिक भोजन, जन्मोत्सव, स्वदेशी रैली,गृह सम्पर्क, पुरस्कार वितरण, संस्कृति ज्ञान

परीक्षा पुस्तक वितरण, निबंध प्रतियोगिता,देव दर्शन,सहित शिशु वाटिका की बारह व्यवस्थाओं के क्रियाकलापों के फोटो, पोस्टर में सम्माहित हैं। चार गुना बारह फिट के पोस्टर में कुल पच्चपन्न फोटो हैं।

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए 21 को मनेगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

छूट गए बच्चों को 5 मई को विशेष सत्र में दी जाएगी दवा

एडीसी ने ली समीक्षा बैठक, शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

आगामी 21 अप्रैल को जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोरों सहित 20 से 24 वर्ष की महिलाओं को पेट के कीड़े मारने की दवा खिलाई जाएगी। इस अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया ने लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की। एडीसी ने स्पष्ट किया कि इस जन-स्वास्थ्य अभियान पर मुख्यमंत्री का विशेष ध्यान है और कोई भी पात्र बच्चा दवा से वंचित नहीं रहना चाहिए। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि जो बच्चे किसी कारणवश 21 अप्रैल को दवा नहीं खा पाएंगे, उन्हें 5 मई को आयोजित होने वाले विशेष सत्र में यह दवा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मिट्टी से फैलने वाले कीड़ों के संक्रमण से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में रुकावट आती है, जिससे उनमें कुपोषण और खून की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कृमि मुक्ति की यह दवा न केवल बच्चों की

बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ाती है, बल्कि पढ़ाई में उनकी एकाग्रता और स्कूलों में उपस्थिति सुधारने में भी सहायक होती है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों के साथ-साथ शहरों में भी विशेष केंद्र बनाकर यह दवा मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी। शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए गए कि वे स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर काम करें ताकि स्कूल न जाने वाले बच्चों और युवा महिलाओं तक भी दवा की पहुंच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि ग्राम स्तर पर जन-प्रतिनिधियों के माध्यम से भी जागरूकता बढ़ाई जाएगी। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक कुमार ने जानकारी दी कि यह गोली पूरी तरह सुरक्षित है और इसे चबाकर ही खाना चाहिए। दवा खाने के बाद कुछ बच्चों में मामूली जी मिचलाना या चक्कर जैसे लक्षण हो सकते हैं, जो अस्थाई हैं और घबराने की बात नहीं है। किसी भी सहायता के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें और वाहन पूरी तरह तैयार रहेंगे।

डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने वेटिंग एरिया में बैठकर सुनीं जनसमस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बुधवार को लघु सचिवालय के प्रतीक्षा क्षेत्र में आमजन के बीच बैठकर समस्याएं सुनी। नागरिकों की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुनने के बाद डीसी ने अधिकारियों को कहा कि सरकारी सेवाओं में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जनहित के कार्यों और सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए अधिकारी जवाबदेही तय करें। उन्होंने कहा कि हम सब का फर्ज बनता है कि सरकारी कार्यक्रमों तथा योजनाओं का आम जनता की जल्द से जल्द लाभ दिया जाए।

कानूनी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने नारनौल पहुंची राज्य स्तरीय टीम

नारनौल और छिल्लरो के लीगल सेंटर्स का निरीक्षण कर जांची सेवाओं की गुणवत्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन और उनकी गुणवत्ता को परखने के लिए आज एक उच्च स्तरीय टीम ने नारनौल जिले का दौरा किया। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार गठित इस 'फील्ड-बेस्ड असेसमेंट' टीम का नेतृत्व सीजेएम-सह-संयुक्त सचिव, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला, मैडम मानविका यादव ने किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम मैडम नीलम कुमारी भी मुख्य रूप से मौजूद रहीं। राज्य स्तरीय टीम ने अपने दौरे की शुरुआत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थापित लीगल केयर एंड सपोर्ट सेंटर्स से की। टीम ने विशेष रूप से छिल्लरो, खोड और जिला सैनिक बोर्ड नारनौल में स्थित केंद्रों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने वहां आने वाले आमजन को दी जा रही कानूनी सहायता, रिकॉर्ड के रख-रखाव और स्टाफ की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। मैडम मानविका यादव ने मौजूद स्टाफ से सीधा संवाद करते हुए निर्देश दिए कि कानूनी सहायता के लिए आने वाले हर

जरूरतमंद व्यक्ति को सरल और त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाए, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विधिक सेवाओं का लाभ पहुंच सके। इसके बाद टीम ने डीएलएसए कार्यालय नारनौल का भी सघन निरीक्षण किया। यहां विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के रिकॉर्ड और फाइलों की समीक्षा की गई। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों की पहचान करना है जहां सुधार की गुंजाइश है, ताकि भविष्य में कानूनी सहायता तंत्र को और अधिक मजबूत और जनहितैषी बनाया जा सके। जिला सैनिक बोर्ड में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को मिलने वाली विधिक मदद पर भी विस्तृत चर्चा की।

सीएम के प्रधान सचिव ने वीसी के जरिए की रबी खरीद की समीक्षा

जिला की मंडियों में 48 घंटे से 72 घंटे में किसानों के खातों में पहुंच रही भुगतान राशि

जिले में अब तक 6727 मीट्रिक टन गेहूं व 13446 मीट्रिक टन सरसों की आवक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के उपायुक्तों के साथ रबी फसलों की खरीद प्रक्रिया की समीक्षा की। जिला महेंद्रगढ़ की ओर से उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिले में चल रहे खरीद कार्यों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। डीसी ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ की अनाज मंडियों में फसल खरीद की प्रक्रिया पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है और किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार की प्रतिबद्धता के अनुसार किसानों को उनकी फसल की बिक्री के 48 घंटों के भीतर भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में सुनिश्चित किया जा रहा है। जिले में फसलों की आवक और खरीद के संबंध में उपायुक्त ने बताया कि अब तक अनाज मंडियों में कुल 6727 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है, जिसमें से सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा कुल 5722.26 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। गेहूं की खरीद प्रक्रिया में खाद्य एवं

आपूर्ति विभाग, हैफेड और हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन जैसी एजेंसियां सक्रियता से जुटी हुई हैं। उठाव के बारे में उन्होंने बताया कि अब तक 3305.90 मीट्रिक टन गेहूं का मंडियों से सुरक्षित उठान सुनिश्चित किया जा चुका है, जो कि कुल खरीद का लगभग 58 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि कनीना मंडी में 74 प्रतिशत और सतनाली में 53 प्रतिशत गेहूं का उठाव पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक विभिन्न मंडियों में कुल 13446.80 मीट्रिक टन सरसों की आवक हुई है, जिसमें से व्यापारियों द्वारा लगभग 13440.70 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। सरसों की खरीद के लिए अटेली मंडी सबसे आगे है। यहां पर 7693.10 मीट्रिक टन की आवक हुई, जबकि नारनौल में 4194.80 मीट्रिक टन और कनीना में 1550.50 मीट्रिक टन सरसों दर्ज की गई है। उपायुक्त ने बताया कि जिले में गेहूं के लिए 2585 रुपये प्रति क्विंटल और सरसों के लिए 6200 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित है। उन्होंने बताया कि मंडियों में किसानों के लिए पेयजल, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं की निरंतर निगरानी कर रहा है ताकि रबी सीजन का यह खरीद पर्व निर्बाध रूप से संपन्न हो सके।

महेंद्रगढ़ जिले में पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित

10 मई को होगा मतदान : डीसी कैप्टन मनोज कुमार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में पंचायती राज संस्थाओं के रिक्त पदों को भरने के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जिले में चुनावी प्रक्रिया आज यानी 15 अप्रैल से विधिवत रूप से शुरू हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन ने चुनावों को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने का सिलसिला 21 अप्रैल से शुरू होगा और उम्मीदवार 25 अप्रैल को दोपहर 3:00 बजे तक अपने पर्चे दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद 27 अप्रैल को सुबह 11:00 बजे से नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहता है, तो वह 28 अप्रैल को दोपहर 3:00 बजे तक अपना आवेदन दे सकता है। नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होते ही इसी दिन उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे और चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि मतदान 10 मई (रविवार) को सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक करवाया जाएगा। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद वोटों की गिनती शुरू कर दी जाएगी और उसी दिन नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे।

जिला के इन गांव में होंगे उपचुनाव

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले के विभिन्न खंडों में रिक्त पदों पर उपचुनाव होने हैं। इसमें खंड अटेली नांगल के तहत ग्राम पंचायत फतेहपुर में सरपंच पद के लिए चुनाव होगा। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न गांवों में पंचों के रिक्त पदों के लिए भी मतदान प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी। इनमें मुख्य रूप से खंड कनीना के गांव छितरोली (वार्ड 7), स्याना का (वार्ड 11), कपुरी (वार्ड 2), धनौंदा (वार्ड 4), भोजावास (वार्ड 7), खंड महेंद्रगढ़ के गांव खुडाना (वार्ड 3), खंड नांगल चौधरी के गांव इकबालपुर नंगली (वार्ड 6), बुढ़वाल (वार्ड 3), खंड नारनौल के गांव थाना (वार्ड 5 व 7), खंड निजामपुर के गांव मारोली (वार्ड 4), नापला (वार्ड 3), खंड सतनाली के गांव ढाणा (वार्ड 4), नंगला (वार्ड 4), ढाणी कुमहारान (वार्ड 5) शामिल हैं।

यदि किसी कारणवश किसी बूथ पर दोबारा मतदान (री-पोल) की जरूरत पड़ती है, तो उसके लिए 12 मई की तारीख सुरक्षित रखी गई है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हरियाणा पंचायती राज चुनाव नियमों की सख्ती से पालना की जाए और चुनावी प्रक्रिया के दौरान कानून व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए।

निजामपुर में किड्स ब्लॉक में सजी फ्रेशर्स पार्टी, बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का रंग

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के किड्स ब्लॉक में नए विद्यार्थियों के स्वागत के लिए भव्य 'फ्रेशर्स पार्टी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव एवं वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने बच्चों के साथ कैटवॉक और डांस कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। वहीं प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव और निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव ने भी बच्चों के साथ नृत्य कर उनका हौसला बढ़ाया।कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया और विद्यालय परिसर खुशी व उमंग से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर

विद्यालय के प्राचार्य अजीत सिंह, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित समस्त अध्यापकगण उपस्थित रहें।

सिंघाना में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की 135वीं जयंती

विधायक श्रवण कुमार बोले–संविधान ने दिया सभी को सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार

भीम प्रज्ञा न्यूज, सिंघाना।

सिंघाना के कृष्णा मैरिज गार्डन में मंगलवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। समारोह में सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्य मंत्री एवं राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व अध्यक्ष किशनलाल जैदिया ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं बाबा साहेब की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

संविधान से देश को मिली मजबूती: विधायक

जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि बाबा साहेब ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संविधान दिया, जिससे हर नागरिक को समानता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि आज देश की शासन व्यवस्था इसी मजबूत संविधान के आधार पर सफलतापूर्वक संचालित हो रही है।

6 सूत्रीय मांगों पर भी हुई चर्चा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए किशनलाल जैदिया ने बाबा साहेब के संघर्षमय जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने सिंघाना क्षेत्र की 6 सूत्रीय समस्याओं के समाधान की मांग भी प्रमुखता से उठाई।

ये रहे विशिष्ट अतिथि

समारोह में कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रमुख रूप से हरिकृष्ण यादव (पूर्व प्रधान, बुहाना), महावीर प्रसाद यादव (अध्यक्ष, बुहाना ब्लॉक कांग्रेस), श्रीमती शकुंतला यादव (अध्यक्ष, जिला महिला कांग्रेस), विजय पांडे (पूर्व अध्यक्ष, सिंघाना नगर पालिका), जगदीश गुर्जर (पूर्व सरपंच), विकास सैनी, मान सिंह साहरण, डीपी सैनी, बाबूलाल कालोडिया, नासिर हुसैन एवं राम सिंह चेतीवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मुन्नालाल जैदिया ने किया, जबकि अजय पाल ठिचोली और जयसिंह सैनी ने भी विचार व्यक्त किए।

बड़ी संख्या में उमड़ा जनसमूह

इस अवसर पर मेहरचंद जैदिया, दीनदयाल जैदिया, रवि शंकर पंवार, हरेश पंवार, रोहिताश, रवि मीणा, सुभाष मीणा, मनोज जैदिया, महेंद्र सैनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।समारोह के अंत में सभी ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने और समाज में समानता, शिक्षा एवं जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

ग्राम मांदरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई

सैकड़ों लोगों की भागीदारी, पंचशील झंडों के साथ निकली जागरूकता रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

भारत रत्न एवं संविधान शिल्पी डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर ग्राम मांदरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर नवयुवक मंडल संस्था एवं सर्व समाज के संयुक्त तत्वावधान में अंबेडकर भवन (मेघवाल मोहल्ला) में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बाबा साहब के विचारों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उनके जीवन संघर्ष, सामाजिक योगदान और संविधान निर्माण में उनकी भूमिका को याद करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केदार मल खींची (जिला अध्यक्ष, अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी झुंझुनूं) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में ईश्वर सिंह गोठड़ा (जिला उपाध्यक्ष, सेवानिवृत्त थानेदार दिल्ली पुलिस), हजारीलाल (सेवानिवृत्त एडीएम), विकास सरपंच ढाणा, शेरसिंह कृष्णिया (सरपंच प्रतिनिधि), ओमप्रकाश जेवरिया (सेवानिवृत्त अध्यापक) सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता का संदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे उनके बताए मार्ग पर चलकर एक समतामूलक और जागरूक समाज के निर्माण में योगदान दें।

कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की सहभागिता देखने को मिली। आयोजन के पश्चात डीजे के साथ भीम समता यात्रा निकाली गई, जिसमें नीले एवं पंचशील झंडों के साथ गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए सामाजिक एकता और जागरूकता का संदेश दिया गया। संस्था अध्यक्ष रमेश मेघवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। अंत में सभी को मिठाई वितरित की गई। यह आयोजन न केवल एक जयंती समारोह रहा, बल्कि समाज में जागरूकता, एकता और बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम भी बना।

'महिलाओं से छेड़छाड़ या अभद्र टिप्पणी करने वालों की अब खैर नहीं – फतेहाबाद पुलिस का सख्त एक्शन '

दुर्गा शक्ति टीमों की तैनाती, स्कूल-कॉलेज व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बढ़ी निगरानी; CCTV व विशेष गश्त से असामाजिक तत्वों पर कसा शिकंजा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिले में महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा को लेकर फतेहाबाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि राह चलती महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाले तथा स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटरों के बाहर आवारागर्दी करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी ने बताया कि महिला थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों को शहर के बाजारों, शिक्षण संस्थानों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को प्राप्त शिकायतों के अनुसार कुछ युवक

सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और फब्तियां कसते हैं, जिससे विशेषकर छात्राओं को असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए महिला थाना पुलिस, दुर्गा शक्ति टीम, डायल 112, पीसीआर यूनिट, मोटरसाइकिल राइडर व पैदल गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों को सक्रिय किया गया है। एसपी ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में महिलाओं की आवाजाही अधिक रहती है, वहां विशेष गश्त बढ़ाई जाए तथा स्कूल और कॉलेज खुलने एवं बंद होने के समय विशेष निगरानी रखी जाए। इसके अतिरिक्त पार्कों, बाजारों व कोचिंग सेंटरों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की नियमित जांच कर असामाजिक तत्वों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इसके साथ ही पुलिस अधिकारी स्कूलों एवं कॉलेजों में जाकर छात्राओं को महिला सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबर एवं डायल 112 सेवा के बारे में जागरूक करेंगे। जिला पुलिस ने दोहराया है कि महिलाओं की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी महिलाओं एवं छात्राओं से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की असुरक्षा महसूस होने पर तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर या डायल 112 पर संपर्क करें, ताकि समय रहते सहायता उपलब्ध कराई जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

बजरंग मॉडल स्कूल में बाउंसी सेटअप, बच्चों ने की जमकर मस्ती

प्राचार्या अंजू वर्मा के नेतृत्व में विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ मनोरंजक कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना के आजाद नगर स्थित बजरंग मॉडल स्कूल में विद्यार्थियों के मनोरंजन और खुशी के लिए विशेष रूप से बाउंसी सेटअप लगाया गया, जिसमें बच्चों ने खूब आनंद लिया और जमकर मस्ती की। स्कूल परिसर में इस आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने बाउंसी पर उछल-कूद करते हुए अपनी खुशी का खुलकर इजहार किया। उनकी खिलखिलाहट और ऊर्जा ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। इस तरह के आयोजन बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में सहायक होते हैं। स्कूल की प्राचार्या अंजू वर्मा ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन भी बेहद जरूरी है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को तनावमुक्त करते हैं और उनमें नई ऊर्जा का संचार करते हैं।

विद्यालय के निदेशक विनय वर्मा ने भी इस पहल की

सराहना करते हुए कहा कि स्कूल में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि बच्चों का विकास संतुलित रूप से हो सके। इस आयोजन ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी और स्कूल परिसर में खुशियों की बहार ला दी।

टोहाना नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 के उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित

21 से 25 अप्रैल तक भरे जा सकेंगे नामांकन, 10 मई को होगा मतदान

भीम प्रज्ञा

रजत विजय रंगा / टोहाना। उपमंडलाधीश (एसडीएम) एवं रिटर्निंग अधिकारी आकाश शर्मा ने नगर परिषद, टोहाना के वार्ड नंबर 17 के सदस्य पद हेतु होने वाले उपचुनाव के लिए विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा 13 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना के अनुपालन में प्रशासन ने इस चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। एसडीएम आकाश शर्मा ने चुनाव शेड्यूल की जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव लड़ने के इच्छुक

उम्मीदवार 21 अप्रैल 2026 (मंगलवार) से 25 अप्रैल 2026 (शनिवार) तक प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच अपने नामांकन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। नामांकन पत्र प्राप्त करने और चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए उम्मीदवार नगर परिषद, टोहाना के कमरा नंबर 5 में संपर्क कर सकते हैं। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की पूरी प्रक्रिया भी नगर परिषद के कमरा नंबर 5 में ही संपन्न की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि प्राप्त नामांकन पत्रों की संवीक्षा 27 अप्रैल 2026 को प्रातः 11:30 बजे से की जाएगी। इसके उपरांत, उम्मीदवार 28 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। इसी दिन दोपहर 3 बजे के बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे तथा चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों व मतदान केंद्रों की सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। नामांकन पत्रों की संवीक्षा, नाम वापसी और चुनाव चिह्न आवंटन की सभी प्रक्रियाएं भी कमरा नंबर 5 में ही सुचारू रूप से पूरी की जाएंगी। मतदान प्रक्रिया के संबंध में एसडीएम ने बताया कि वार्ड नंबर 17 के लिए मतदान 10 मई 2026 (रविवार) को प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक शांतिपूर्ण ढंग से करवाया जाएगा। इसके उपरांत, 13 मई 2026 को प्रातः 8 बजे से उपायुक्त द्वारा निर्धारित किए गए स्थान पर मतगणना शुरू होगी। मतगणना पूर्ण होने के तुरंत बाद चुनाव परिणामों की विधिवत घोषणा कर दी जाएगी ।

फतेहाबाद जिले की मंडियों में गेहूं उठान प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के निर्देश : डीसी

डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा-गेहूं उठान में गति बनाए रखने पर जोर, किसानों की सुविधा प्राथमिकता

सीएम के प्रधान सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में रबी खरीद की समीक्षा कर दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती ने खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि मंडियों में गेहूं के उठान में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतें और पूरी प्रक्रिया तेज गति से संचालित की जाए। उन्होंने कहा कि खरीद कार्य में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस विषय को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता ने भी प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रबी खरीद की समीक्षा की। इस दौरान डीसी डा. विवेक भारती ने जिला में व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में अनाज का अनावश्यक जमाव नहीं होना चाहिए और उठान कार्य तय समय सीमा में पूरा किया जाए, जिससे जाम जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने मंडियों में तैनात नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लगातार निगरानी बनाए रखें और व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करें। साथ ही उठान के लिए लगाए गए वाहनों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने और परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीदे गए गेहूं का समय पर उठान हो सके।

डीसी ने नियमानुसार गेट पास प्रणाली को दुरुस्त

रखने तथा बायोमेट्रिक सत्यापन को सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश भी दिए, ताकि खरीद प्रक्रिया बिना किसी बाधा के जारी रहे। उन्होंने कहा कि सरकार की हिदायतों के अनुसार किसानों की सुविधा सर्वोपरि है और जिला प्रशासन का भी यही उद्देश्य है कि किसानों को फसल बेचने, भुगतान प्राप्त करने और अन्य सेवाओं में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आए।

गेहूं अवशेष प्रबंधन पर डीसी ने विभाग को दिए जागरूकता के निर्देश

बैठक में डीसी डॉ. विवेक भारती ने गेहूं के अवशेष न जलाने को लेकर किसानों को जागरूक करने के निर्देश भी विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कृषि, राजस्व, पुलिस एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और गांव स्तर पर निगरानी बढ़ाई जाए। जिन क्षेत्रों में अवशेष जलाने की संभावनाएं अधिक हैं, वहां विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों की जानकारी दी जाए और आवश्यक मशीनरी उपलब्ध करवाई जाए।

बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी, जेवरात व नकदी ले उड़े चोर; ग्रामीणों में आक्रोश

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

क्षेत्र के ढाणी निहालोठ गांव में बंद मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। गांव निवासी अशोक कुमार पुत्र उदमीराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 अप्रैल 2026 को परिवार सहित गांव के स्कूल में आयोजित अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में गए हुए थे। पीछे से अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसकर कमरों में रखा सामान बिखेर दिया। जब परिवार वापस लौटा तो घर का सामान अस्त-व्यस्त मिला और सन्दूक व अटैची के ताले टूटे हुए थे। अटैची में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी गायब मिले।? पीड़ित के अनुसार चोरी हुए सामान में करीब 250 ग्राम चांदी की तागड़ी, चांदी की चैन, चांदी की राखी (बैग), सोने के कुण्डल, 5 चांदी के सिक्के तथा करीब 10 हजार रुपये नकद शामिल हैं। जेवरात रखने की डिब्बियां खाली मिलीं। परिवार ने अगले दिन 15 अप्रैल को सन्दूक की जांच की, तब चोरी का पूरा पता चला। शिकायत में गांव के पास संदिग्ध रूप से बैठे दो-तीन युवकों पर शक जताया गया है।

लगातार चोरियों से ग्रामीणों में रोष

ग्रामीणों का कहना है कि ढाणी निहालोठ में पहले भी 3-4 बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक पुलिस कोई खुलासा नहीं कर पाई है। गांव में जब भी सार्वजनिक कार्यक्रम जैसे मेले, महापुरुषों की जयंती आदि आयोजित होते हैं, अधिकांश लोग उनमें शामिल हो जाते हैं और इसी दौरान चोर सूने घरों को निशाना बना लेते हैं।लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और पुलिस की कार्रवाई को लेकर उनका भरोसा भी डगमगाने लगा है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द खुलासा कर चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा ने किया अतिरिक्त अनाज मंडी का दौरा

एसडीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश गेहूं का उठान हो निरंतर

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने बुधवार को टोहाना की अतिरिक्त अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद प्रक्रिया का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में उपलब्ध व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गेहूं खरीद के साथ-साथ फसल के उठान कार्य को लगातार जारी रखा जाए ताकि व्यवस्था सुचारू एवं निरन्तर चलती रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने खरीद एजेंसियों और मार्केट कमेटी के अधिकारियों को हिदायत दी कि खरीदे गए गेहूं का उठान निरंतर और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मंडी में फसल का उठान धीमा होने से जगह की कमी हो सकती है, जिससे अपनी फसल लेकर आने वाले अन्य किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, खरीद और उठान प्रक्रिया के बीच उचित तालमेल बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही ना करें । एसडीएम आकाश शर्मा ने मंडी परिसर में यातायात व्यवस्था की भी समीक्षा की और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि मंडी के अंदर और प्रवेश द्वारों पर

जाम की स्थिति बिल्कुल ना बने। उन्होंने कहा कि वाहनों की आवाजाही को इस प्रकार सुव्यवस्थित किया जाए कि किसान बिना किसी असुविधा और देरी के अपनी फसल मंडी में ला सकें। गेट पास प्रणाली को त्वरित रखा जाए और यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएं। इसके साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मंडी में अपनी फसल लेकर आने वाले किसानों के लिए पेयजल, साफ-सफाई व अन्य मूलभूत सुविधाएं निरंतर रूप से उपलब्ध रहें। प्रशासन का उद्देश्य है कि किसान को उसकी फसल बेचने में पूरी पारदर्शिता और सुगमता का अनुभव हो। इस दौरान मार्केट कमेटी सचिव संदीप गर्ग सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहें।

राजस्थान-लू चलने लगी, जयपुर में सीजन की सबसे गर्म रात

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में अब दिन के साथ-साथ रात में भी गर्मी बढ़ने लगी है। बुधवार को श्रीगंगानगर, चूरू समेत 10 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इन शहरों में हल्की हीटवेव चली। जयपुर सहित 4 जिलों में सीजन की सबसे गर्म रात रही। इन शहरों में न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले एक सप्ताह में तापमान 44 डिग्री पार का लेवल पार कर सकता है।

धूप ने झुलसाया, परेशानी बढ़ी - पिछले 24 घंटे में राज्य के सभी शहरों का मौसम साफ रहा और तेज धूप रही। बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, फलोदी, जोधपुर, जैसलमेर समेत 10 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रिकॉर्ड हुआ। समारोह के अंत में सभी ने महापुरुषों के आदर्शों–शिक्षा, समानता और सामाजिक एकता–को अपनाने का संकल्प लिया। यह आयोजन सामाजिक जागरूकता और समरसता को मजबूत करने का प्रेरणादायक उदाहरण बना।

बगड़ में अंबेडकर व फुले जयंती पर निकली भव्य रैली, नागरिक सदन में हुआ विशाल आयोजन

झांकियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह के साथ दिया गया सामाजिक एकता व शिक्षा का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

झुंझुनूं जिले के बगड़ कस्बे में भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को भव्य रैली एवं विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लेकर महापुरुषों के विचारों को नमन किया। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात कस्बे में भव्य रैली निकाली गई, जिसमें सावित्रीबाई फुले एवं रामाबाई अंबेडकर सहित महापुरुषों की आकर्षक झांकियां सजाई गईं। छोटे बच्चों को रथों में सजाकर शामिल किया गया, जिससे रैली का दृश्य अत्यंत मनोहारी बन गया। रैली का शुभारंभ श्री चंद्रनाथ आश्रम के पास बाबा श्री चंद्रनाथ योग आश्रम के उत्तराधिकारी श्री भानीनाथ जी महाराज द्वारा नीला ध्वज दिखाकर किया गया। रैली में डीजे, घोड़ी, ऊंट एवं सजे-धजे रथों ने विशेष आकर्षण बिखेरा। यह रैली

जोगेंद्र निवास सामुदायिक भवन से प्रारंभ होकर पीरामल गेट, निमड़ी स्टैंड, सब्जी मंडी, बीएल चौक, निर्मल कॉलोनी, अंबेडकर सर्किल जातावास, इलाई मोहल्ला, वाल्मीकि कॉलोनी, अंबेडकर पार्क और खटीकान मोहल्ला होते हुए नागरिक सदन बगड़ पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर ठंडे पानी की व्यवस्था भी की गई। रैली के पश्चात नागरिक सदन में भंते विनयपाल जी (बुद्ध विहार जय पहाड़ी) के सानिध्य में विशाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अंबेडकर एवं महात्मा फुले के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया। प्रधानाचार्य पवन कुमार बुंदेला ने स्वागत भाषण दिया, जबकि प्रधानाचार्य अमरसिंह बुंदेला ने बाबा साहब के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल में रचा इतिहास

- शोएब अख्तर समेत 8 खिलाड़ियों की बराबरी की

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी प्लेइंग 11 में प्रफुल्ल हिंगे को शामिल किया। प्रफुल्ल ने अपने डेब्यू मैच में ही फिर वो कमाल कर दिया और आईपीएल इतिहास में किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। यही नहीं प्रफुल्ल ने शोएब अख्तर समेत 4 खिलाड़ियों की बराबरी भी कर ली।

प्रफुल्ल ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए

प्रफुल्ल हिंगे ने राजस्थान के खिलाफ पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके और आईपीएल इतिहास में बतौर डेब्यूटेंट पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। प्रफुल्ल ने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को आउट कर राजस्थान को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। ये तीनों बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल पाए। प्रफुल्ल की गेंदबाजी का इन सभी बल्लेबाजों को पास कोई जवाब नहीं था और सबने उनके सामने सरेंडर कर दिया। प्रफुल्ल ने इस लीग में 1191 मैचों के बाद पहले ओवर में 3 विकेट लेने का कमाल किया।

पहली पारी में 4 विकेट

2026	प्रफुल्ल हिंगे
2025	अश्विनी कुमार
2019	अल्जारी जोसेफ
2017	एंड्रयू टे
2015	डेविड वाइज
2012	केवोन कूपर
2011	पॉल वाल्थाटी
2009	शादाब जकाती
2008	शोएब अख्तर

पिता करते थे मजदूरी, मां ने गहने बेच कर दिलाए थे जूते

- साकिब हुसैन आईपीएल में यादगार डेब्यू की दास्तां

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 21वां मैच पूरी तरह से सनराइजर्स हैदराबाद के नाम रहा। इस मुकाबले में हैदराबाद की टीम ने दोनों विभाग में लगातार चार मैच जीतकर आई राजस्थान रॉयल्स की टीम को पीट दिया। इसका सबसे बड़ा श्रेय जाता है, सनराइजर्स के दो डेब्यूटेंट भारतीय तेज गेंदबाजों को। अभी तक इस सीजन बल्लेबाजी में वैभव सूर्यवंशी, मुकुल चौधरी, समीर रिजवी जैसे खिलाड़ियों ने कमाल किया था।

चेन्नई के मैचों का बदला कार्यक्रम

सीजन के बीच क्यों बदल दिए गए वेन्यू?

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के बीच सीजन ही चेन्नई सुपर किंग्स के दो मैचों का कार्यक्रम बदल गया है। आईपीएल द्वारा सोमवार 13 अप्रैल इसकी जानकारी देते हुए रिलीज जारी की गई है। इसके मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दोनों मैचों के वेन्यू बदल दिए गए हैं। दरअसल दोनों टीमों के बीच होने वाले इस सीजन दोनों मैचों के वेन्यू में अदला-बदली हुई है।

कौन से दो मैचों का बदला कार्यक्रम?

26 अप्रैल को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाला दोपहर का मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना था। अब इस मैच का वेन्यू अहमदाबाद से बदलते हुए चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है। यह मुकाबला अब चेन्नई में दोपहर 3.30 बजे (IST) से खेला जाएगा। वहीं इन दोनों टीमों के बीच होने वाले सीजन के दूसरे मुकाबले में भी बदलाव हुआ है। यह मैच 21 मई 2026 को होना है और यह शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

वैभव दे सकते है टीम इंडिया में दस्तक

बनेंगे भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी

आयरलैंड टी- 20 दौरे के लिए चयन लगभग तय

नई दिल्ली। जून 2026 में भारत के आयरलैंड दौरे के लिए वैभव सूर्यवंशी के चुने जाने की संभावना है। यदि वह चुने गए तो देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनेंगे। इंडियन एक्सप्रेस को मिली जानकारी के अनुसार, चयनकर्ता 15 साल के इस खिलाड़ी को इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे से ठीक पहले होने वाली इस छोटी T20I सीरीज में बड़ा मौका दे सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र ने इसकी पुष्टि की। सूत्र ने बताया, ''वह आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल है और चयनकर्ताओं ने कई अन्य खिलाड़ियों के साथ उसका नाम भी शॉर्टलिस्ट किया है।''

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पिछले सीजन दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों की जमकर धुनाई की थी। इस साल भी वह उसी लय में खेल रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन अब तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 26 गेंदों में 78 रन, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 17 गेंदों में 52 रन और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 14 गेंदों में 39 रन बनाए हैं। वह बड़े नामों से बिल्कुल भी घबराते हुए नहीं दिखते। उन्होंने जसप्रीत बुमराह (जिन्हें पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा था) और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाजों का भी पूरे आत्मविश्वास के साथ सामना किया।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुने जा सकते हैं वैभव सूर्यवंशी

राष्ट्रीय चयनकर्ता इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में शामिल करने के लिए ज्यादा इंतजार करने के मूड में नहीं हैं, लेकिन संभावना है कि वे उसे थोड़ी कमजोर टीम के खिलाफ खेलने का मौका देंगे। अगर वैभव सूर्यवंशी का शानदार रन बनाने का सिलसिला जारी रहता है तो चयन समिति उसे आयरलैंड में होने वाली आगामी सीरीज के साथ-साथ इस साल के अंत में होने वाले जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुनेगी। यहां तक कि भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से कहा है कि वे देर न करें और वैभव सूर्यवंशी को तुरंत टीम में चुन लें। सचिन तेंदुलकर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष क्रिकेटर हैं। सचिन तेंदुलकर ने 1989 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू 16 साल और 205 दिन की उम्र में किया था।

वैभव तोड़ सकते हैं शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड

पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों की बात करें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे कम उम्र की क्रिकेटर हैं। शेफाली ने 15 साल, सात महीने और 27 दिन की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अगर वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड दौरे पर खेलते हैं तो वह शेफाली का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। भारत बनाम आयरलैंड टी20 इंटरनेशल सीरीज के दो मैच 26 और 28 जून 2026 को होने हैं। पता चला है कि IPL 2026 के खत्म होने के एक महीने से भी कम समय के भीतर होने वाली इस सीरीज के लिए दूसरी श्रेणी की टीम चुनी जाएगी। चयन समिति वैभव सूर्यवंशी और हाल के समय में अपनी छाप छोड़ने वाले अन्य खिलाड़ियों को इस सीरीज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव देने के लिए उत्सुक है। आयरलैंड सीरीज के बाद इंग्लैंड का दौरा होगा। एक जुलाई से शुरू होने वाले इंग्लैंड दौरे पर भारत पांच T20 और तीन ODI मैच खेलेगा। इन दोनों सीरीज में कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के लौटने की उम्मीद है। बल्लेबाजी के

अपने तरीके के बारे में बताते हुए वैभव सूर्यवंशी कह चुके हैं कि वह कभी भी अपने सामने गेंदबाज के बारे में नहीं सोचते, बल्कि उस गेंद के बारे में सोचते हैं जो उनकी तरफ आ रही होती है।

राका सिर्फ एक फिल्म नहीं, मेरे भीतर सालों से पल रहा एक हिस्सा है

भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर दे चुके फिल्मकार एटली कुमार, अब अपनी आगामी फिल्म राका के साथ एक बेहद निजी और भावनात्मक सफर पर निकल चुके हैं। हालांकि फिल्म के टाइटल अनाउंसमेंट के बाद से ही वे एक बार फिर जबरदस्त चर्चा का विषय बन गए हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट को खास बनाती हैं, इससे जुड़ी उनकी भावनाएं। 'राका' के सफर के बारे में बात करते हुए एटली कुमार कहते हैं, 'राका सिर्फ एक फिल्म नहीं है... ये मेरे अंदर का वो हिस्सा है जिसे मैंने सालों तक संभालकर रखा। 18 साल तक मैं एक आइडिया से जुड़ा रहा, उसे कभी फीका नहीं पड़ने दिया। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा, और हर दौर में मेरे साथ रहा। और सच कहूं... 'राका' के साथ ये तो बस शुरुआत है।' गौरतलब है कि 'राका' से जुड़ा उनका यह बयान उनके क्रिएटिव प्रोसेस की एक झलक देता है, जहां सिर्फ भव्यता ही नहीं, बल्कि गहरी भावनाएं भी शामिल हैं। हालांकि बीते वर्षों में एटली ने अपने कलाकारों को दमदार और करियर-डिफाइनिंग किरदारों में पेश करने की पहचान बनाई है, साथ ही ऐसे बड़े एंटरटेनर्स दिए हैं, जो हर तरह के दर्शकों से जुड़ते रहे हैं। फिलहाल 'राका' के साथ वह इस विज़न को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं, जहां इमोशन, स्केल और कहानी का संगम एक ग्लोबल ऑडियंस को ध्यान में रखकर रचा गया है। सिर्फ यही नहीं 'राका' अल्लू अर्जुन के साथ उनकी बहुप्रतीक्षित साझेदारी भी है, जिसमें वे एक अवतार में नजर आनेवाले हैं। अपने ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस को लगातार नया रूप देने के लिए मशहूर अल्लू अर्जुन और एटली की जोड़ी ने 'राका' को पहले ही सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में शामिल कर दिया है।

इन्फ्लूएंसर्स को लेकर एक्टर्स का गुस्सा जायज

साउथ दिल्ली वाली आंटी की मिमिक्री करके सोशल मीडिया स्टार बनी इंफ्लूएंसर कुशा कपिला अब ऐक्टिंग की दुनिया में रम चुकी हैं। 'थैंक यू फॉर कमिंग' और 'सुखी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं कुशा इन दिनों वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' को लेकर चर्चा में हैं।

जैसी जिंदगी जी, वैसे ही जीना चाहूंगी

सोशल मीडिया स्टार्स की जिंदगी अक्सर एक खुली किताब होती है, जिसके चलते उन्हें जजमेंट, ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ती है। कुशा को भी डिवॉर्स से अपने बिजनेस से जुड़े पोस्ट पर ट्रोल किया गया है। इन चीजों को वह कैसे लेती हैं? इस बारे में उनका कहना है, 'असल में निजी जिंदगी को कितना निजी रखना है, यह आप काम करते-करते सीखते हैं। लोग अक्सर ये भूल जाते हैं कि क्रिएटर्स भी उनके बीच से ही आए हैं। हम किसी बैकग्राउंड से नहीं आए हैं। हमको ये लगा कि हम कैमरे पर कुछ कर सकते हैं। खुद ही एडिट करके, अलग-अलग किरदार निभा सकते हैं तो शुरुआती जोश में हम बह भी जाते हैं और उसे मैं गलती नहीं बोलूंगी। आप किसी आर्टिस्ट को भी देखें तो अपने शुरुआती सालों में वे निडर होते हैं। फिर थोड़े-थोड़े बैरिकेड्स लगाने लगाते हैं।

हम क्रिएटर्स की पहली पीढ़ी हैं तो हम भी उस मुकाम पर खड़े हैं

इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री में टैलंट के बजाय सोशल मीडिया फॉलोअर्स देखकर कास्टिंग करने को लेकर भी बहस चल रही है। कई ऐक्टर्स इस पर ऐतराज भी जता चुके हैं। कुशा इस पर ऐक्टर्स को सपोर्ट करते हुए कहती हैं, 'ऐक्टर्स का यह गुस्सा बिल्कुल जायज है कि किसी क्रिएटर या इन्फ्लूएंसर्स को केवल मार्केटिंग के लिए हायर किया गया है। इस पर मैं ऐक्टर्स के साथ हूं, लेकिन ये भी हो सकता है कि कुछ क्रिएटर्स ऐक्टिंग में आना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि अपने पांच सेकंड, 15 सेकंड के रील से ज्यादा कुछ बनाए। आप देखें तो हम एकदम शुरुआती क्रिएटर्स में से हैं। हम क्रिएटर्स की पहली पीढ़ी हैं तो हम भी उस मुकाम पर खड़े हैं कि आगे क्या करना है। ऐसे में, हममें से कुछ लोगों का बहुत ही नैचरल महत्वाकांक्षा ऐक्टर बनना हो सकती है तो आपको एक कदम पीछे लेकर सोचना चाहिए कि आप किस तरह के रोल, कैसे प्रॉजेक्ट करना चाहेंगे। आप एक-दो साल जाकर सीखिए। वर्कशॉप कीजिए, ऑडिशन कीजिए। फेल होइए। मुझे मुंबई आए तीन साल हो गए और मैंने बहुत शांति से सीख रही हूं। मैंने वो प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसमें लग जाएंगे बीस-पच्चीस साल।

सलमान खान के राइट हैंड बनेंगे राजपाल यादव!

भाईजान की अगली एक्शन फिल्म में हुई एक्टर की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है।

सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव

सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के

बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

हवा में लटकी एक्ट्रेस और अटक गईं सांसें... अक्षय कुमार के प्रैंक से हैरान रह गईं

वामिका गब्बी

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अकमिंग मूवी 'भूत बंगला' को लेकर काफी बिजी चल रहे हैं. प्रियदर्शन के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज के लिए तैयार है. अक्षय कुमार एक्टिंग के साथ ही अपने मजाकिया अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं. शूटिंग के बीच में खिलाड़ी कुमार को जब भी वक्त मिलता है वो अपने को-स्टार्स के साथ मस्ती करते हुए नजर आते हैं. अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' का एक BTS वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोर रहा है. इस वीडियो में अक्षय कुमार ने वामिका गब्बी के साथ ऐसा प्रैंक किया, जिससे हर कोई हैरान रह गया था.'भूत बंगला' गाने की शूटिंग का एक 'बिहाइंड-द-सीन्स' वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है. इस क्लिप में एक्टर अक्षय कुमार को गाने के एक सीन की शूटिंग के दौरान अपनी को-स्टार वामिका गब्बी के साथ मजाक करते हुए देखा जा सकता है. अक्षय का ये मजाक ऐसा था, जिसने वामिका गब्बी की सांसें अटका दी थीं. अक्षय

कुमार का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.

अक्षय कुमार ने किया प्रैंक

'भूत बंगला' के एक BTS वीडियो में अक्षय कुमार ने वामिका गब्बी के साथ ऐसा प्रैंक कर डाला, जिससे एक्ट्रेस वाकई में डर गईं. वीडियो में देखा जा सकता है कि वामिका को एक हार्नेस से सेफली बांधा गया है.

इस सीन में अक्षय कुमार वामिका को ऊपर अपनी तरफ खींचते हैं. जैसे ही वो डांस का एक स्टेप शुरू करती हैं, अक्षय अचानक वामिका को पीछे की ओर धकेल देते हैं. सुरक्षा के सभी इंतज़ाम होने के बावजूद वामिका गब्बी इससे एकदम से चौंक जाती हैं. अक्षय के इस प्रैंक से सेट पर मौजूद सभी हंस-हंसकर लोटपोट हो जाते हैं.

वामिका गब्बी की हालत हुई खराब

वामिका गब्बी सेफ्टी हार्नेस से बंधी हुई थीं और वो हवा में झूलती हुईं दूर चली जाती हैं. इस प्रैंक से डरकर वामिका आंखें बंद कर लेती हैं और अपने चेहरा ढक लेती हैं. शुरू में तो सब सोचने लगे कि असली में वामिका को अक्षय ने धकेला है, लेकिन जैसे ही सबको पता चलता है कि ये एक प्रैंक था तो सभी हंसना शुरू कर देते हैं. इस वीडियो पर लोग तमाम तरह के रिएक्शंस दे रहे हैं.

आशा भोसले से खास रिश्ता रखती हैं श्रद्धा कपूर, मंगेशकर परिवार से क्या है कनेक्शन

बॉलीवुड में कई रिश्ते ऐसे हैं जो सिर्फ इंडस्ट्री तक सीमित नहीं रहते, बल्कि परिवारों को भी जोड़ते हैं. एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर और दिग्गज सिंगर आशा भोसले का रिश्ता भी कुछ ऐसा ही रहा, जो सिर्फ पेशेवर नहीं बल्कि गहरा पारिवारिक संबंध है. बहुत कम लोग जानते हैं कि श्रद्धा कपूर आशा भोसले को बेहद करीब मानती थीं और उन्हें प्यार से 'ग्रैंड-आजी' कहकर बुलाती थीं. दोनों के बीच का ये रिश्ता अक्सर सोशल मीडिया पर तस्वीरों और खास मौकों पर साझा किए गए पोस्ट में भी नजर आता रहा है.

12 अप्रैल को आशा ताई ने दुनिया को अलविदा कहा है, सिंगर की निधन की वजह मल्टीपल ऑर्गन फेलियर है. इस बात की जानकारी खुद उनके बेटे ने दी है. इस खबर के सामने आने के बाद से इंडस्ट्री में शोक का माहौल है. ऐसे में श्रद्धा कपूर और आशा भोसले के बीच रिश्ते को लेकर चर्चा हो रही है, कि आखिर ये दोनों किस तरह से रिश्ते में हैं. बता दें कि श्रद्धा कपूर की मां शिवांगी कोल्हापुरी का संबंध मंगेशकर परिवार से है. श्रद्धा की मां, आशा भोसले की भतीजी लगती हैं और इसी वजह से ये रिश्ता नानी-पोती जैसा बन जाता है.

क्या है दोनों में रिश्ता ?

श्रद्धा के नाना पंडित पंढरीनाथ कोल्हापुरे, आशा भोसले के चचेरे भाई थे, जिसकी वजह से श्रद्धा कपूर का मंगेशकर परिवार से गहरा जुड़ाव रहा है. यही वजह है कि श्रद्धा कपूर बचपन से ही आशा भोसले के बेहद करीब रही हैं और उन्हें परिवार के बड़े सदस्य की तरह सम्मान देती थीं. श्रद्धा कपूर अक्सर खास मौकों पर आशा भोसले के साथ बिताए पलों को याद करती रही हैं. जन्मदिन हो या कोई फैमिली इवेंट, श्रद्धा ने कई बार उनके साथ तस्वीरें शेयर कर अपना लगाव जाहिर किया.

संगीत जगत का बड़ा नाम

इन तस्वीरों में दोनों के बीच की केमिस्ट्री साफ नजर आती है और फैंस भी इस रिश्ते को खूब पसंद करते हैं. कई मौकों पर श्रद्धा ने ये भी बताया कि वो अपने परिवार से बेहद जुड़ी हुई हैं और मंगेशकर परिवार से मिलना उनके लिए हमेशा खास रहता है. आशा भोसले भारतीय संगीत जगत की सबसे बड़ी आवाजों में गिनी जाती हैं और उन्होंने दशकों तक अपनी गायकी से लोगों के दिलों पर राज किया. उन्होंने अपने गानों के जरिए इंटरनेशनल लेवल पर भी नाम कमाया है.

91 साल पहले शुरू हुआ था बॉलीवुड में सीक्वल का दौर, एक महिला एक्शन स्टार ने रचा था इतिहास

आज के दौर में फिल्मों के सीक्वल बनना आम बात हो गई है. 'धुरंधर', 'पुष्पा', 'सिंघम', 'डॉन' जैसी कई बड़ी फिल्मों के पार्ट 2 और पार्ट 3 की चर्चाएं पहले से ही शुरू हो जाती हैं. दर्शक भी अपनी पसंदीदा फिल्मों के अगले हिस्से का बेसब्री से इंतजार करते हैं. लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हिंदी सिनेमा में सीक्वल का ट्रेंड आज से नहीं, बल्कि आजादी से भी पहले शुरू हो गया था. उस दौर में बनी एक फिल्म ने पहली बार इस परंपरा की नींव रखी, जिसने बाद में बॉलीवुड की फ्रेंचाइजी फिल्मों का रास्ता तैयार किया.

हिंदी सिनेमा की पहली सीक्वल फिल्म 'हंटरवाली की बेटी' मानी जाती है, जो साल 1943 में रिलीज हुई थी. ये फिल्म 1935 में आई 'हंटरवाली' का सीक्वल थी और दोनों फिल्मों में एक ही एक्ट्रेस ने लीड रोल निभाया था. खास बात ये है कि उस दौर में जब फिल्मों में एक्शन और स्टंट ज्यादातर मेल एक्टर करते थे, तब एक महिला कलाकार ने अपने दम पर ये ट्रेंड बदल दिया. यही वजह है कि इस फिल्म को भारतीय सिनेमा के इतिहास में खास स्थान दिया जाता है.

क्यों बना था दूसरा पार्ट ?

'हंटरवाली' फिल्म में ऑस्ट्रेलिया मूल की एक्ट्रेस फियरलेस नाडिया ने लीड रोल निभाई थी. उनका असली नाम मैरी एन इवांस था और वो अपनी दमदार स्टंट परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती थीं.

इस फिल्म में उन्होंने घुड़सवारी, तलवारबाजी और कई खतरनाक स्टंट खुद किए थे, जो उस समय दर्शकों के लिए बिल्कुल नया एक्सपीरियंस था. फिल्म की सक्सेस इतनी बड़ी रही कि दर्शकों ने इसके अगले पार्ट की मांग शुरू कर दी और यही वजह बनी 'हंटरवाली की बेटी' के बनने की.

बनी पहली सीक्वल फिल्म

करीब आठ साल बाद 'हंटरवाली की बेटी' बनाई गई और इस तरह हिंदी सिनेमा की पहली सीक्वल फिल्म सामने आई. इस फिल्म में भी नाडिया ने एक्शन अवतार में अन्याय के खिलाफ लड़ने वाली नायिका का किरदार निभाया. काले मास्क, हाथ में हंटर और दमदार स्टंट के साथ उनका अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया. कहा जाता है कि उस दौर में नाडिया का ये किरदार महिलाओं के लिए एक नई छवि लेकर आया, जिसमें वो सिर्फ रोमांटिक भूमिका तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि एक्शन हीरो की तरह दिखाई दीं.

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ डायरेक्टर बनने चले

अरिजीत सिंह

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी को करेंगे लॉन्च

अरिजीत सिंह ने जनवरी में प्लेबैंग सिंगिंग से संन्यास लिया. इस खबर ने पूरी इंडस्ट्री को हैरान कर दिया. अरिजीत सिंह अब प्लेबैक सिंगिंग नहीं करेंगे. लेकिन अपना इंडीपेंडेंट म्यूजिक बनाते रहेंगे. अरिजीत सिंह को लेकर अब एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है. प्लेबैक सिंगिंग को छोड़ने के बाद अरिजीत सिंह ने नई तैयारी कर ली है. सिंगर अब डायरेक्टर बनने जा रहे हैं. जी हांज आपने एकदम सही सुना. अरिजीत सिंह सिंह ने अपनी पहली फिल्म की पूरी तैयारी कर ली है, जिसका डायरेक्शन वो खुद करेंगे. सबसे दिलचस्प बात ये है कि अरिजीत सिंह अपनी पहली फिल्म में नवाजद्दीन सिद्दीकी की बेटी को लॉन्च करने की प्लानिंग कर रहे हैं.प्लेबैक सिंगिग को छोड़ने के बाद अरिजीत सिंह फिल्म के डायरेक्शन और प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं. उनके फैंस के लिए ये एक बेहद बड़ी खबर है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अरिजीत सिंह अपनी पहली फिल्म में नवाजुद्दीन की बेटी शोरा सिद्दीकी को लीड रोल में ले सकते हैं. हालांकि, अभी तक अरिजीत सिंह की तरफ से अनाउंसमेंट का इंतजार है.

अरिजीत सिंह बनेंगे डायरेक्टर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरिजीत सिंह के फिल्म बनाने जा रहे हैं, जिसे वो खुद प्रोड्यूस और डायरेक्ट कर रहे हैं. दिलचस्प बात ये है कि फिल्म लंदन में फ्लोर पर जा चुकी है. शोरा सिद्दीकी इस प्रोजेक्ट में लीड रोल में नजर आएंगी और अपना एक्टिंग डेब्यू करेंगी. बताया जा रहा है कि इसकी कहानी तीन ऐसे युवाओं पर आधारित है, जो बिल्कुल अलग-अलग सोशल बैकग्राउंड से आते हैं और जिनकी जिंदगी एक ऐसे शहर में आपस में जुड़ जाती है जो सामाजिक वर्गों के बंटवारे, मौकों और गुजारे पर टिका है.

अरिजीत सिंह की फिल्म पर काम शुरू

रिपोर्ट्स की मानें तो फिलहाल लंदन में इसका प्रोडक्शन चल रहा है और रिलीज से जुड़ी जानकारी अभी तक अनाउंस नहीं की गई है. शोरा सिद्दीकी के अलावा और कौन कलाकार इसमें नजर आएंगे, इस बारे में अभी सस्पेंस बना हुआ है. अरिजीत सिंह का ये कदम उनके करियर के लिए एक नया मोड़ साबित हो सकता है. फिलहाल यह साफ नहीं है कि अरिजीत इस फिल्म को खुद रिलीज करेंगे या किसी बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ मिलकर इसे ऑडियंस तक पहुंचाएंगे.

लखीमपुर खीरी में अम्बेडकर की मूर्ति खंडित होने पर बवाल, भीड़ ने की पत्थरबाजी

-20 पुलिसकर्मी घायल, कई गाड़ियों को फूंका, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत बांकेगंज कस्बे में मंगलवार को अंबेडकर जयंती पर बाबा साहब की मूर्ति स्थापना के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मूर्ति रखने की कोशिश में आयोजकों और अन्य लोगों में झड़प हुई, जिससे मूर्ति गिरकर खंडित हो गई। आक्रोशित भीड़ ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पत्थर बरसाए और कई सरकारी गाड़ियों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने लाठीचार्ज किया। घटना में 20 पुलिसकर्मी और एक स्थानीय पत्रकार घायल हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांकेगंज कस्बे की एक सरकारी भूमि पर मूर्ति स्थापना को लेकर लंबे समय से विवाद था। सहमति बनी थी कि केवल बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण होगा, लेकिन कुछ लोग चुपके से मूर्ति ले आए। एक चश्मदीद महिला के मुताबिक कुछ लोगों ने जबरन मूर्ति स्थापित करने की कोशिश की, जिसका विरोध होने पर मारपीट शुरू हो गई। इस खींचतान के दौरान मूर्ति गिरकर खंडित हो गई, जिससे वहां मौजूद सैकड़ों लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही जब पुलिस बल मौके पर पहुंची, तो अराजक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने न केवल मारपीट की, बल्कि पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस को बचाव में हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान पत्थरबाजी में कई जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने खंडित मूर्ति को कब्जे में लेकर थाने भिजवाया ताकि माहौल और न बिगड़े। मामले की गंभीरता देखते हुए डीएम और एसपी भारी पुलिस फोर्स के साथ बांकेगंज पहुंचीं। इलाके में एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शांति व्यवस्था बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश में सिलेंडर ब्लास्ट से तबाही, तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं डिस्ट्रिक्ट से बुधवार को एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई, जहां रसोई गैस सिलेंडर फटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। धमाका इतना भीषण था कि इसकी चपेट में आकर दो रिहायशी मकान पूरी तरह ढह गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना जिले के कादिरआई मंडल के कामरावारीपल्ली गांव में दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। पुलिस अधीक्षक एस सतीश ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां तेलंगाना के प्रवासी मजदूर रह रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सिलेंडर में गैस रिसाव के कारण यह विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। धमाके के कारण आसपास तेज कंपन हुआ और दो मकान जमींदोज हो गए। मलबे में दबने और आग की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी बचाव अभियान में मदद की। हालांकि, विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पीड़ितों को बचाया नहीं जा सका। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

3 जुलाई से शुरू हो रही बाबा बर्फानी यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु

जालंधर (एजेंसी)। लाखों शिव भक्तों के लिए खुशखबरी आई है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली बाबा बर्फानी की अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। पहले ही दिन सुबह से विभिन्न बैंकों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दी। अनुमान है कि इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल होगा। इस देखकर प्रशासन सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूरी तरह अलर्ट है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण कर सकते हैं। बात दें कि पहलगाम रास्ते में चढ़ाई अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन समय अधिक लगता है, जिसकी दूरी करीब 46 किमी है। जबकि बालटाल वाला रास्ता छोटा है, करीब 14 किमी है, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी कठिन मानी जाती है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण करा सकते हैं। भक्त श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए फोटो और हेल्थ सर्टिफिकेट अपलोड करना अनिवार्य होगा। वहीं ऑफलाइन के लिए देशभर की अधिकृत बैंक शाखाओं में जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। यहाँ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर परमिट जारी किए जाते हैं। प्रति व्यक्ति पंजीकरण शुल्क 150 रुपये निर्धारित किया गया है। यात्रा की दुर्गमता को देखकर श्राइन बोर्ड ने कुछ सख्त नियम बनाए हैं, यात्रियों के पास 8 अप्रैल 2026 के बाद अधिकृत डॉक्टर द्वारा जारी किया गया अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (सीएचसी) होना चाहिए। केवल 13 से 70 वर्ष की आयु के लोग ही यात्रा कर सकते हैं। 6 सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत

हरदोई (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के जलालपुर गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से बीमार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान विद्यावती के पति सुरेंद्र अपने घर में बने सीमेंट के टैंक को गेहूं भंडारण के लिए साफ करवा रहे थे। इस टैंक में पहले तिरपाल बिछाकर उसके ऊपर भूसा डाला गया था, जिससे अंदर जहरीली गैस बन गई थी। सफाई के दौरान गांव के कैलाश सबसे पहले टैंक में उतरे, लेकिन अंदर पहुंचते ही उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई और वे बेहोश हो गए। कैलाश को बचाने के लिए सुरेंद्र तुरंत टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अचेत हो गए। इसके बाद तीसरे युवक प्रमोद को रस्सी के सहारे नीचे भेजा गया, मगर वह भी जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाकर रस्सी की मदद से प्रमोद को बाहर निकाला और किसी तरह अन्य दोनों को भी बाहर निकाला। तीनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुरेंद्र और कैलाश को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रमोद का इलाज जारी है। इस घटना ने गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है और जहरीली गैस से जुड़े खतरों के प्रति सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका, तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक

असम सरकार की अपील पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है।

मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की।

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तेलंगाना हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि जब कथित अपराध गुवाहाटी में हुआ, तो तेलंगाना हाईकोर्ट का क्षेत्राधिकार कैसे बनता है।

इसके साथ ही आधार कार्ड से जुड़े एक पहलू पर भी बहस हुई। अदालत को बताया गया कि याचिका दाखिल करते समय पवन खेड़ा की ओर से उनकी पत्नी का आधार कार्ड प्रस्तुत किया गया था, ताकि तेलंगाना से संबंध दिखाया जा सके। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने आपत्ति जताते हुए इसे कानून का दुरुपयोग बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में प्रस्तुत दस्तावेजों से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि अधिकार क्षेत्र का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश की गई।

सभी दलीलों पर विचार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी और मामले में नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोपों में मामला दर्ज किया है। 7 अप्रैल को पुलिस उनकी तलाश में दिल्ली स्थित आवास भी पहुंची थी। इसके बाद खेड़ा ने 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जहां से उन्हें अस्थायी राहत मिली थी, जो अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थगित हो गई है।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, छह की मौत और 15 घायल

फतेहगढ़ साहिब(एजेंसी)। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में बैसाखी मेला देखकर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। देर रात श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 15 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ साहिब क्षेत्र से करीब 40 श्रद्धालुओं का एक जत्था बैसाखी के पावन पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब में मत्था टेकने और मेले में शामिल होने गया था। देर रात जब सभी लोग बस से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच के मुताबिक, चलती बस में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। बेकाबू हुई बस सड़क किनारे लगे बिजली के एक खंभे से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और भीतर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अंधेरा होने के कारण बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस की मदद से घायलों को मोरिंडा और फतेहगढ़ साहिब के सरकारी अस्पतालों में भिजवाया। गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए बड़े केंद्रों में रेफर किए जाने की खबर है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क के बीच से हटवाकर यातायात को सुचारू करवाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है ताकि हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। इस घटना के बाद से प्रभावित गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, प्रशासन ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

पुलिस ने नाबालिग लड़कियों से यौन शोषण और अश्लील वीडियो बनाने वाले को दबोचा

-आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल कर देह व्यापार में धकेलने मुंबई-पुणे ले जाता था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में पुलिस ने 180 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण और उनके 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो बनाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लड़कियों को 'लव ट्रैप' में फंसाकर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाता था, जहां उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाता था। इन वीडियो का इस्तेमाल वह लड़कियों को ब्लैकमेल करने और देह व्यापार में धकेलने के लिए करता था। आशंका है कि इनमें से कुछ वीडियो शेयर भी किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अयाज उर्फ तनवीर के रूप में हुई है, जो परतवाड़ा शहर का रहने वाला है. वॉट्सएप और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाता था। इस मामले की शिकायत बीजेपी सांसद अनिल बोंडे ने एसपी (ग्रामीण) को ज्ञापन सौंपकर की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि इस मामले में एसआईटी का गठन नहीं किया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग भी पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों से पूरे समुदाय की छवि खराब होती है और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अयाज पहले एआईएमआईएम से जुड़ा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने ये वीडियो किसी और के साथ शेयर किए थे, या वह किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा था।

रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सामाजिक बदनामी के डर से अब तक किसी भी पीड़ित या उसके परिवार के सदस्य ने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। एसपी ने पीड़ितों के परिवारों से आगे आने की अपील की है और उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, इसके अलावा, राज्य सरकार उनकी कानूनी और काउंसलिंग सेवाओं का भी ध्यान रखेगी। अमरावती के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट में मंदिर पक्ष का तक... धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती, न कि न्यायिक मानकों से

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक सीमाओं पर अहम बहस हुई। सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्थनम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को धार्मिक मान्यताओं की सही-गलत की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती है, न कि न्यायिक मानकों से होती है।

वकील सिंघवी ने कहा कि धर्म मूल रूप से एक सामूहिक विश्वास है, इसलिए कुछ व्यक्तियों के अधिकार पूरे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर हावी नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक अधिकारों पर रोक केवल विधि (कानून) के माध्यम से ही लग सकती है, न कि केवल सरकारी आदेशों या निर्देशों से रोक लगा सकते है। यदि बिना कानून के हस्तक्षेप हुआ, तब इससे सरकार को मनमाने ढंग से धार्मिक स्वतंत्रता में दखल देने का मौका मिल सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में केरल हाईकोर्ट का 1991 का फैसला है, इसमें 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इस प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताकर हटा दिया। इसके बाद पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर कई संवैधानिक प्रश्नों पर अब विस्तृत बहस हो रही है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने कहा कि यदि सभी को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है, तब अंदर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि अलग-अलग जातियों को अलग स्थानों पर बैठाकर भोजन कराना असमानता का प्रतीक है। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि कुछ धार्मिक प्रथाएं ऐसी हो सकती हैं, जिसमें दर्शन या पूजा के तरीके अलग हों, और हर स्थिति में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

सुनवाई के दौरान सिंघवी ने तर्क दिया कि अदालत धार्मिक प्रथाओं को अपनी व्याख्या के आधार पर बदल नहीं सकती, यदि वे किसी धर्म का स्थापित और मान्य हिस्सा हैं। हालांकि, यदि कोई प्रथा कानून के विरुद्ध हो या पूरे समुदाय द्वारा मान्य न हो, तब उस पर रोक लग सकती है।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार से जुड़े कानून, जैसे हिंदू उत्तराधिकार कानून, किस आधार पर बनाए गए। वहीं, आर्टिकल 15(3) के तहत महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान लागू होने की संभावना पर भी चर्चा हुई। इस पर मंदिर के वकील सिंघवी ने चेतावनी दी कि यदि अदालतें यह तय करने लगें कि कौन-सी धार्मिक प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तब न्यायपालिका धर्म के मामलों में अत्यधिक हस्तक्षेप करने लगेगी, जिसकी कोई स्पष्ट सीमा नहीं होगी। उन्होंने उदाहरण के तौर पर जैन दिगंबर साधुओं की परंपरा का उल्लेख किया, जो सामान्य सामाजिक दृष्टि से अलग हो सकती है, लेकिन उनके धर्म का अभिन्न हिस्सा है। अंत में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस मामले में ÷संवैधानिक नैतिकता÷ के बजाय ÷सार्वजनिक नैतिकता÷ का पहलू भी महत्वपूर्ण रहेगा। यह पूरा मामला धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और न्यायिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती को दर्शाता है।

सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं

-जेडीयू नेता बोले-यह साहस, चरित्र, त्याग सिर्फ नीतीश जैसे नेता ही दिखा सकते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा कर दिया था। इधर नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद जेडीयू ने कहा कि नीतीश कुमार ने सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धान्तों को सर्वोपरि रखा। जेडीयू के विधान पार्षद और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग साइट पर एक पोस्ट के जरिये नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की है।

उन्होंने एक्स पर सवाल यह नहीं कि आपने क्या त्याग किया, सवाल यह है कि आपके इस त्याग की चर्चा कौन करे शीर्षक के जरिए नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए लिखा, कोई एक दिन के लिए भी त्याग नहीं करता, लेकिन नीतीश कुमार ने सीएम की कुर्सी त्याग कर एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो राजनीति के इतिहास में विरले ही देखने को मिलती हैं। उन्होंने लिखा सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं।

यह साहस, यह चरित्र, यह त्याग- सिर्फ नीतीश कुमार जैसे नेता ही दिखा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वह दौर- जब 118 नरसंहारों की गूंज थी, जब चरवाहा विद्यालय जैसे प्रयोगों ने शिक्षा का मजाक बना दिया था, जब समाज को जाति और धर्म के नाम पर बांटकर सत्ता की राजनीति की जाती थी, जब गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को जानबूझकर विकास से दूर रखा गया। नीरज ने नीतीश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे अंधकारमय समय में, नीतीश कुमार ने सिर्फ सरकार नहीं चलाई- उन्होंने व्यवस्था बदली, सोच बदली, समाज को नई दिशा दी। यह वही नेता हैं जिन्होंने केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में अपनी भूमिका निभाई और बिहार लौटकर विकास की नई परिभाषा गढ़ी।

उन्होंने कहा कि सांसद या विधायक बन जाना बड़ी उपलब्धि नहीं है- लेकिन सामाजिक जकड़नों को तोड़ना, भविष्य की पीढ़ियों के लिए रोडमैप बनाना और उसे जमीन पर उतारना, यह असाधारण व्यक्तित्व का व्यक्ति ही कर सकता है। नीरज कुमार ने विश्वास जताते हुए कहा कि यही कारण है कि सात निश्चय केवल योजना नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का विजन है। सवाल उठाने वालों को लेकर कहा कि आज जो लोग सवाल उठाते हैं, उन्हें इतिहास के आईने में खुद को देखना चाहिए। क्योंकि फर्क साफ है- एक तरफ सत्ता के लिए समाज को बांटने की राजनीति और दूसरी तरफ समाज को जोड़ने की कार्यनीति। आपका योगदान महान है, लेकिन आपका त्याग- उससे भी बड़ा है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनी तो घुसपैठियों को करेंगे निकाल बाहर : घोष

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

खड़गपुर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी नेता और खड़गपुर से उम्मीदवार दिलीप घोष ने सम्राट चौधरी और पीएम मोदी द्वारा बंगाल के लिए घोषित छह गारंटियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बिहार एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के चुने जाने पर घोष ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। बीजेपी कदम दर कदम आगे बढ़ रही है और लोग उसे वोट दे रहे हैं। बीजेपी सुशासन प्रदान करती है। अपने सहयोगियों से विचार-विमर्श करके निर्णय लेती है।

इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के निदेशक विनेश चंदेल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर दिलीप घोष ने कहा कि आई-पैक से जुड़े घोटालों के कई आरोप हैं। कई शिकायतें पहले ही सामने आ चुकी हैं। जांच जारी है और जैसे-जैसे तथ्य सामने आ रहे हैं, कार्रवाई की जा रही है। ऐसी जांचों के निष्कर्षों के आधार पर गिरफ्तारियां की जाती हैं और जेल भेजा जाता है। घोष ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव बहुत अहम हैं। पीएम मोदी खुद नेतृत्व कर रहे हैं। कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, पश्चिम बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन होगा। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को शरण दी है। बीजेपी सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा।

इसके पहले मंगलवार को दिलीप घोष ने कहा था कि कोयला, बालू से लेकर गो-तस्करी तक पश्चिम बंगाल में यह एक बड़ी समस्या है। तस्करी के जरिए हजारों करोड़ रुपए कमाए जाते हैं। हिंसा जैसी घटनाओं के बढ़ने के पीछे भी यही पैसा होता है। ऐसे मामलों में जो भी दोषी है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली बार की घटनाएं आज भी लोगों को याद हैं। टीएमसी के गुंडों ने लोगों को अभी से डराना शुरू कर दिया है। चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है।

तेल कंपनियों को हो रहा नुकसान... क्या चुनाव के बाद लोगों को लग सकता बढ़ी कीमत का झटका

नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल 125 रुपये प्रति लीटर जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बीच भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा झटका लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। हालांकि देश में बीते चार वर्षों से ईंधन की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन इसका भारी वित्तीय दबाव सरकारी तेल कंपनियों पर पड़ रहा है। सरकारी कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं। जबकि भारत में ईंधन मूल्य निर्धारण को एक दशक पहले ही सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर बाजार आधारित कर दिया गया था, इसके बावजूद इन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कीमतें नहीं बढ़ाईं।

दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थीं, फिर कुछ समय के लिए गिरकर लगभग 70 डॉलर तक आईं, और हाल ही में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद फिर से करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस अस्थिरता का

सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों की लागत पर पड़ा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा है। वैश्विक वित्तीय संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि कच्चे तेल की कीमत 135 से 165 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती है, तब यह नुकसान और बढ़ सकता है। साथ ही, हर 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से प्रति लीटर करीब 6 रुपये का अतिरिक्त घाटा जुड़ जाता है।

वित्तीय नुकसान का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले महीने ये कंपनियां रोजाना करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही थीं। हालांकि मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन बचा है। लेकिन यह राहत आम उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंची, बल्कि कंपनियों के घाटे को कम करने में इस्तेमाल हुई। यदि कंपनियां अपने इस नुकसान की भरपाई करना चाहें, तब पेट्रोल की कीमतें 125 रुपये प्रति लीटर से ऊपर जा सकती हैं। इसके बाद माना जा रहा है कि चुनाव के बाद उपभोक्ताओं को ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।

चुनाव बाद लग सकता है झटका

सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्यों में चुनाव के बाद ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि के आसार हैं। भारत ने साल 2025 में अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 फीसदी आयात किया और वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति वह अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com